राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, गुरुवार, 18 जून 2026

वर्ष 14, अंक 69, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

बिना एफआईआर राम मंदिर महाघोटाले की एसआईटी जांच...03

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना के बाद पटरी पर लौटी चढ़ावे की गणना, प्रतिदिन आ रहे 20 लाख रुपये...04

क्या पंजाब कांग्रेस को मिलेगा नया प्रधान?

विधानसभा चुनाव से पहले मंथन में जुटा हाईकमान

पंजाब में 2027 विधानसभा चुनावों की आहट के बीच कांग्रेस ने राज्य इकाई को दुरुस्त करने की कवायद तेज कर दी है. लंबे समय से गुटबाजी और अंदरूनी खींचतान से जूझ रही पंजाब कांग्रेस को लेकर पार्टी नेतृत्व अब गंभीर नजर आ रहा है. पार्टी को यह एहसास है कि यदि समय रहते संगठनात्मक समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आगामी चुनावों में उसे भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है. इसी संदर्भ में हाल ही में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पंजाब मामलों के प्रभारी भूपेश बघेल ने राज्य के वरिष्ठ नेताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक की. बैठक में पंजाब कांग्रेस की मौजूदा स्थिति और संगठन के भीतर चल रही चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा हुई.

पंजाब पर हाईकमान की बढ़ी नजर

पंजाब को लेकर कांग्रेस हाईकमान की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पिछले दो हफ्ते में राज्य से जुड़े पांच बड़े संगठनात्मक बैठकें आयोजित की गईं. इसके अलावा, पार्टी नेतृत्व ने पंजाब के राजनीतिक हालात का आकलन करने के लिए तीन वरिष्ठ पर्यवेक्षकों की एक समिति गठित की है, जिसमें अजय माकन भी शामिल हैं. पर्यवेक्षक समिति ने राज्य के करीब 70 नेताओं को बातचीत के लिए बुलाया है. इनमें सांसद, विधायक, पूर्व मंत्री, जिला अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी

शामिल हैं. नेताओं को दो समूहों में बांटकर उनसे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद में संभावित बदलाव, जाट सिख और दलित सिख नेतृत्व के बीच संतुलन तथा चुनाव से जुड़ी लंबित समितियों के गठन जैसे मुद्दों पर राय ली जा रही है. सूत्रों के अनुसार समिति अगले कुछ हफ्तो में अपनी रिपोर्ट हाईकमान को सौंप सकती है, जिसके बाद संगठन में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं.

क्या बदलेगा पंजाब कांग्रेस का नेतृत्व?

हालिया स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन ने प्रदेश नेतृत्व को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं. विशेष रूप से गिद्दड़बाहा में पार्टी को झटका लगा, जिसे वर्तमान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजा वड़िंग का मजबूत राजनीतिक गढ़ माना जाता है. यहां आम आदमी पार्टी ने 19 में से 17 वार्ड जीतकर कांग्रेस को करारा संदेश दिया. दूसरी ओर, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के प्रभाव वाले चमकौर साहिब क्षेत्र में कांग्रेस का प्रदर्शन बेहतर रहा. इसके बाद चन्नी का नाम एक बार फिर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद की दौड़ में प्रमुखता से उभरकर सामने आया है. बताया जा रहा है कि चन्नी संगठन में बड़ी भूमिका के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं. हालांकि, नेतृत्व परिवर्तन को लेकर पार्टी के भीतर अलग-अलग मत हैं. कुछ नेता मौजूदा अध्यक्ष राजा वड़िंग को ही जिम्मेदारी जारी रखने के पक्ष में हैं, जबकि कुछ नए चेहरे को मौका देने की वकालत कर रहे हैं. संभावित दावेदारों में चरणजीत सिंह चन्नी, सुखजिंदर सिंह रंधावा और विजयेंद्र सिंगला जैसे नाम भी चर्चा में हैं.

जाट सिख और दलित सिख समीकरण सबसे बड़ी चुनौती

पंजाब कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी राजनीतिक चुनौती जाट सिख और दलित सिख समुदायों के बीच संतुलन स्थापित करना है. वर्तमान में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता दोनों ही जाट सिख समुदाय से आते हैं. वहीं दलित नेतृत्व का एक वर्ग संगठन और सत्ता संरचना में अधिक प्रतिनिधित्व की मांग कर रहा है. पंजाब देश का वह राज्य है जहां अनुसूचित जाति की आबादी सबसे अधिक है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में दलित मतदाताओं का बड़ा हिस्सा कांग्रेस से दूर होकर आम आदमी पार्टी की ओर झुका है. ऐसे में कांग्रेस के लिए यह निर्णय आसान नहीं है कि वह फिर से चरणजीत सिंह चन्नी जैसे दलित चेहरे को आगे करे या किसी अन्य फॉर्मूले पर काम करे. उधर भारतीय जनता पार्टी ने केवल सिंह ढिल्लों को पंजाब भाजपा का अध्यक्ष बनाकर जाट सिख मतदाताओं को साधने का प्रयास किया है। इससे कांग्रेस पर सामाजिक संतुलन बनाने का दबाव और बढ़ गया है।

क्या है आगे की राह?

फिलहाल पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर अंतिम फैसला नहीं हुआ है. लेकिन जिस तरह से हाईकमान लगातार बैठकें कर रहा है और पर्यवेक्षकों के जरिए नेताओं की राय ले रहा है, उससे साफ है कि पार्टी 2027 के चुनाव से पहले संगठन को मजबूत और एकजुट करने के लिए बड़े फैसले लेने के मूड में है. अब सबकी नजर पर्यवेक्षक समिति की रिपोर्ट पर टिकी है। रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि पंजाब कांग्रेस को नया प्रधान मिलेगा या फिर मौजूदा नेतृत्व पर ही भरोसा कायम रखा जाएगा.

क्या घुसपैठिए नागरिकता के लिए 'आधार' का कर रहे इस्तेमाल?

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को जारी किया नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र और राज्यों सरकारों से एक याचिका पर नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा. इस याचिका में आरोप लगाया गया है कि IDAI (यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया) द्वारा जारी आधार कार्ड का इस्तेमाल नागरिकता और पते के सबूत के तौर पर गलत तरीके से किया जा रहा है. याचिका में मांग की गई है कि आधार का इस्तेमाल सिर्फ पहचान की पुष्टि के लिए ही सीमित किया जाए. याचिका में आरोप लगाया गया कि आधार का घुसपैठिए और अवैध प्रवासी अपनी नागरिकता के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं. चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर IDAI (यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया) द्वारा जारी आधार कार्ड को लेकर सुनवाई की है. इस दौरान बेंच ने केंद्र, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है. याचिका में केंद्र, राज्यों और चुनाव आयोग को निर्देश देने की मांग की गई है ताकि यह पक्का किया जा सके कि आधार का इस्तेमाल सिर्फ पहचान के सबूत के तौर पर हो, न कि नागरिकता, निवास, पते या जन्मतिथि के सबूत के तौर पर.

वोटर रजिस्ट्रेशन में आधार का इस्तेमाल कानून के खिलाफ

याचिका के अनुसार, नए वोटर रजिस्ट्रेशन (फॉर्म-6) में आधार को जन्मतिथि और पते के सबूत के तौर पर लिया जा रहा है. याचिकाकर्ता का तर्क है कि यह प्रक्रिया कानून के खिलाफ है. यह आधार अधिनियम 2016 की धारा 9, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 23(4) और संविधान के अनुच्छेद 14 का सीधा उल्लंघन है. आधार अधिनियम की धारा 9 साफ कहती है कि आधार नागरिकता या अधिवास का प्रमाण नहीं है. यूआईडीएआई की 22 अगस्त 2023 की अधिसूचना में भी यही बात स्पष्ट की गई थी कि आधार केवल पहचान का प्रमाण है, नागरिकता या जन्मतिथि का नहीं.

घुसपैठिए और अवैध प्रवासी कर रहे गलत इस्तेमाल

याचिका में कहा गया है, 'आधार एक्ट, 2016 की धारा 9 साफ तौर पर कहती है कि 'आधार नागरिकता या निवास का सबूत नहीं है.' यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा 22 अगस्त, 2023 को जारी एक नोटिफिकेशन में भी यह साफ किया गया है कि 'आधार पहचान का सबूत है, न कि नागरिकता, पते या जन्मतिथि का सबूत'.' घुसपैठिए और अवैध प्रवासी आधार का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं.

किन जगहों पर इस्तेमाल हो रहा आधार कार्ड?

याचिका में कहा गया है, 'इसके बावजूद, आधार का इस्तेमाल न सिर्फ स्कूल में दाखिले, प्रॉपर्टी खरीदने और जन्म प्रमाण पत्र, राशन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस जैसे दस्तावेज पाने के लिए हो रहा है. उम्र, नागरिकता और निवास का सबूत के तौर पर किया जा रहा है. इतना ही नहीं नए वोटर रजिस्ट्रेशन (फॉर्म-6) के लिए भी जन्मतिथि और निवास के सबूत के तौर पर इसका इस्तेमाल हो रहा है.

वेरिफिकेशन सिस्टम में बड़े बदलाव की

याचिका में चुनावी प्रक्रियाओं में इस्तेमाल होने वाले वेरिफिकेशन सिस्टम में बड़े बदलाव की मांग की गई थी. साथ ही, सुधारों की निगरानी के लिए एक हाई-लेवल मॉनिटरिंग कमिटी बनाने का प्रस्ताव भी दिया गया था, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज के साथ-साथ साइबर सिक्योरिटी और फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स भी शामिल हों.

संक्षिप्त ख़बरें

उमरवैश्य समाज सभा का 21वां छात्र- छात्रा सम्मान समारोह 28 जून को

प्रतापगढ़। जिला उमरवैश्य समाज सभा की एक बैठक सभा के अध्यक्ष गुलाबचंद उमरवैश्य की अध्यक्षता में मकरंदुगंज प्रतापगढ़ में संपन्न हुई। जिसमें समाज सभा द्वारा आयोजित 21वां छात्र- छात्रा सम्मान समारोह में हाईस्कूल, इंटर एवं स्नातक में प्रथम श्रेणी उत्तीर्ण 128 मेधावियों को 28 जून को चिलबिला उमरवैश्य धर्मशाला में सम्मानित किया जाएगा।कार्यक्रम का संचालन महामंत्री मदनलाल आभार ज्ञापन कोषाध्यक्ष कैलाश मैनेजर द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री राम, विश्वनाथ, विजय कुमार, दीपक सभासद, हनुमान प्रसाद, अजय कुमार, देवेंद्र गुप्ता, डॉ0 श्याम, पवनेश कुमार, रमेश, जवाहरलाल बच्चा, गुलाबचंद, जीतलाल आदि समाज सभा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नये जिला सूचना अधिकारी ने कार्यभार किया ग्रहण

सिद्धार्थनगर। मंगलवार को संतोष कुमार द्विवेदी जिला सूचना अधिकारी, सिद्धार्थनगर के पद पर पूर्वान्ह में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी एन के समक्ष कार्यभार ग्रहण किया है। नवागत जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी 2018 बैच के यूपीपीसीएस से चयनित हुए हैं। जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी इससे पूर्व जनपद अंबेडकर नगर, अयोध्या एवं बहराइच में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

जिला सूचना कार्यालय सिद्धार्थनगर पहुंचकर कार्यालय के कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया एवं मीडिया प्रतिनिधियों से वार्ता किया। जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी ने कहा कि मीडिया प्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर शासन की योजनाओं का प्रचार - प्रसार एवं जिला प्रशासन के साथ सौहार्द पूर्ण वातावरण में समन्वय बनाकर कार्य करना प्राथमिकता होगी।

इंटरलॉकिंग में मची लूट, लोगों में भारी आक्रोश

● ग्रामीणों ने लगाया भ्रष्टाचार का आरोप, किया जाँच व गुणवत्ता परक कार्य कराने की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोन/सोनभद्र- विकास खण्ड कोन के जिला पंचायत क्षेत्र कचनरवा में इंटर लॉकिंग का कार्य में भारी अनियमितता का मामला प्रकाश में आया है। बतातें चलें कि जिला पंचायत से इंटर लॉकिंग का कार्य कामेश्वर जायसवाल के घर से पांडु नदी तक लगभग 300 मीटर में मानक के विपरीत कार्य कराया जा रहा है जहाँ स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश व्याप्त है। इंटरलॉकिंग का कार्य जिला पंचायत मद से शुरू तो जरूर हुआ किन्तु संबंधित ठेकेदार की मिली भगत से इंटर लॉकिंग का कार्य चढ़ा भ्रष्टाचारियों की भेंट।

ग्रामीण अजय जायसवाल व स्थानीय लोगों का आरोप है कि सीमेंट ईट लगाने से पहले न तो मानक के अनुरूप गिट्टी डाला जा रहा है और न ही बालू का प्रयोग किया जा रहा है बल्कि बिना गिट्टी डाले ही सीमेंटेड ईट का प्रयोग किया जा रहा है। यहाँ तक कि साइड वॉल भस्सी से जोड़ा जा रहा है जो जनहित में बिल्कुल उचित नहीं है।

मौके पर उपस्थित जे ई प्रदीप यादव व स्थानीय लोगों के सामने इंटर लॉकिंग कार्य की गुणवत्ता की जाँच की गई जिसमें गुणवत्ता विहीन पाया गया जिस पर जे ई द्वारा संबंधित ठेकेदार को गुणवत्ता परक कार्य कराने व पुनः नये सिरे से कार्य कराने के दिये निर्देश।

जिसके क्रम में स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी व अपर मुख्य अधिकारी (जिला पंचायत) का ध्यान आकृष्ट कराते हुए गुणवत्ता परक कार्य कराने की मांग किया है।इस मौके पर कामेश्वर जायसवाल, अजय जायसवाल, सुनील जायसवाल, विनय, संतोष जायसवाल, जगदीश शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे। इस बावत अपर मुख्य अधिकारी (जिला पंचायत) ने कहा कि जाँच कर संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी।

लव मैरिज के छह माह बाद टूटा रिश्ता

बेटी से मारपीट का आरोप, दामाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज

ससुराल से लौटकर मायके पहुंची युवती

घर पहुंचकर गाली-गलौज और धमकी देने का भी आरोप

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र में लव मैरिज के बाद पति द्वारा पत्नी के साथ मारपीट और ससुराल पक्ष को धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला चौबयाना निवासी सूरज कुशवाहा पुत्र कैलाश कुशवाहा ने कोतवाली पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनकी पुत्री लक्ष्मी ने करीब छह माह पूर्व मोहल्ला तालाबपुरा निवासी सुनील कुशवाहा उर्फ लिल्ले पुत्र चंदन कुशवाहा के साथ प्रेम विवाह किया था। शिकायत के अनुसार 13 जून 2026 को सुनील कुशवाहा ने लक्ष्मी के साथ मारपीट की, जिसकी सूचना युवती ने अपने पिता को दी। बेटी के साथ मारपीट की जानकारी मिलने पर सूरज कुशवाहा उसे अपने घर ले आए। आरोप है कि अगले दिन 14 जून को सुनील कुशवाहा चौबयाना स्थित ससुराल पहुंच गया और वहां भी गाली-गलौज करते हुए लक्ष्मी के साथ मारपीट करने लगा। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए।

इटवा में चाकू से हमला: एक ही परिवार के तीन सदस्य घायल, केस दर्ज, आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के इटवा थाना क्षेत्र के नगर पंचायत इटवा में मंगलवार को दिनदहाड़े चाकू से हमला किया गया। इस घटना में तीन लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें रेफर किया गया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है। यह वारदात नगर पंचायत इटवा के वार्ड नंबर 4, श्यामाप्रसाद मुखर्जी नगर (मस्जिदिया) में राजेश सोनी के घर में हुई। भैसाहीं निवासी शमशाद ने घर में घुसकर राजेश सोनी और उनके परिवार के सदस्यों पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में राजेश सोनी सहित अन्य लोग घायल हुए। पीड़िता सुनीता सोनी ने पुलिस को दी तहरीर देकर कर बताया कि मंगलवार सुबह भैसाही निवासी शमशाद और कुछ अन्य लोग उनके दुकान-मकान में घुस आए। और लोग उनके पति राजेश सोनी व पुत्र रवि सोनी और ओम को गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की नीयत से चाकू से हमला किया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आरोपी शमशाद को हिरासत में ले लिया। थानाध्यक्ष संजय कुमार मिश्र ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और घायलों को इलाज के लिए भेजा गया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रवीन प्रकाश ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

इलाज सरकारी, दवा बाजार से ! विक्रमजोत सीएचसी पर मरीजों के गंभीर आरोप

● जिले में अधिकतर सामुदायिक स्वास्थ्य केदो पर बाहर की दवा लिखी जा रही है गरीब मरीज दवा खरीदने में उनको पैसे जुटाना पड़ते हैं सरकार जबकि फ्री में दवा वितरित करने का आदेश दिया है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। विक्रमजोत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात डॉक्टरों पर मरीजों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। मरीजों का कहना है कि अस्पताल में सरकारी दवाएं उपलब्ध होने के बावजूद उन्हें नहीं दी जातीं और अधिकांश दवाएं बाहर की मेडिकल दुकानों से खरीदने के लिए लिख दी जाती हैं। सरोज देवी, अनीता, कमला, राम करन और गोविंद प्रसाद सहित कई मरीजों ने बताया कि वे सरकारी अस्पताल में इस उम्मीद से इलाज कराने आते हैं कि उन्हें बेहतर चिकित्सकीय सुविधा और निःशुल्क दवाएं मिलेंगी। लेकिन अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर अधिकांश दवाएं बाहर से खरीदने के लिए लिख देते हैं, जिससे गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है।

मरीजों का कहना है कि सरकार द्वारा अस्पतालों में मुफ्त दवा उपलब्ध कराने के दावे किए जाते हैं, लेकिन धरातल पर इसका लाभ आम लोगों को नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि अस्पताल में दवाएं उपलब्ध हैं तो मरीजों को उनका लाभ मिलना चाहिए। लोगों ने स्वास्थ्य विभाग से सीएचसी विक्रमजोत की व्यवस्था की निष्पक्ष जांच कराकर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है।

तालाब की भूमि की पैमाइश के दौरान 150 एअर जमीन पर मिला अवैध कब्जा- हल्का लेखपाल अख्तर आलम

● बैनामा की जमीन की आड़ में तालाब की भूमि पर किया जा रहा अवैध अतिक्रमण- ग्रामीणतालाब के पानी की निकासी बन्द होने पर ग्रामीणों ने थाना दिवस में किया था शिकायतग्रामीणों की शिकायत पर हल्का लेखपाल ने राजस्व टीम के साथ तालाब की भूमि की किया पैमाइश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के तहसील हरैया के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बसन्तपुर में सोमवार को शाम 04 बजे राजस्व टीम ने गोयरी तालाब की पैमाइश किया । राजस्व टीम की पैमाइश के दौरान पता चला कि बैनामे की जमीन के आड़ में तिलकराम पुत्र सुक्खू बसन्तपुर निवासी द्वारा तालाब की भूमि पर अवैध अतिक्रमण किया जा रहा है । राजस्व टीम के पैमाइश के दौरान बैनामेदार तिलक राम द्वारा लगभग 150 एअर भूमि पर अवैध अतिक्रमण मिला।

आप को बता दे कि रामचेत पुत्र स्व0 भगवान दत्त एवं समस्त ग्रामवासी ग्राम बसन्तपुर सेमरहिया थाना दुबौलिया जिला बस्ती ने आरोप लगाया था कि ग्राम पंचायत बसन्तपुर में गोयरी नामक तालाब है जिसका गाटा सं0-375 है इसी तालाब में अमृत सरोबर का भी निर्माण हुआ है। इसी तालाब में पूरब तरफ प्रधान प्रतिनिधि सोमनाथ शर्मा के सहयोग से तिलक राम पुत्र सुक्खू ग्रा0 बसन्तपुर (सेमरहिया) द्वारा जे0 सी0बी लगाकर अवैध कब्जा किया जा रहा था जिसपर ग्रामीण रामचेत पुत्र भगवान दत्त द्वारा 112 पर पुलिस को फोन करके सूचना दी गयी थी 112 पुलिस द्वारा उस समय कार्य बन्द करा दिया गया था 112 पुलिस जाने के बाद पुनः कार्य किया जाने लगा। तालाब से एक नाला निकला हुआ था जो मनोरमा नदी में गिरता था जिसे बन्द कर दिया दिया गया था इसी नाले से होकर 08 से 10 गांवों का पानी बारिश के मौसम में नदी में जाता था। इस नाले के बन्द होने से सभी 10 गांवों के लोग परेशान हैं एवं उनके फसल को काफी नुकसान होने की संभावना है।

न्याय हित में ग्रामीणों ने थाना दिवस के दिन दुबौलिया थाने पर लिखित शिकायत किया था। राजस्व टीम ने ग्राम प्रधान समेत अन्य ग्रामीणों की मौजूदगी में पैमाइश किया। बैनामे दार तिलक राम पर 150 एअर जमीन अवैध कब्जा करने की पुष्टि होने पर ग्रामीणों ने तत्काल तालाब की जमीन को खाली करने की मांग कर रहे हैं और तालाब की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करने वाले भूमाफिया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उक्त प्रकरण में हल्का लेखपाल अख्तर आलम ने बताया कि तालाब की जमीन का पैमाइश निष्पक्ष रूप से किया गया जिस पर बैनामे दार द्वारा तालाब की 150 एअर अवैध कब्जा पाया गया है जिसकी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को प्रेषित की जायेगी जिसके आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

आखिर कौन है राममंदिर चंदा गबन का अहम किरदार

अयोध्या में श्री राम मंदिर की दान की राशि में हेरफेर कर करोड़ों रुपये के गबन का मामला इन दिनों सुर्खियों में है। इस मामले में अब पांच किरदार सामने आए हैं। ये सभी दान राशि की गिनती की ड्यूटी से जुड़े हैं। बताया जा रहा है कि इनके खिलाफ पुख्ता सुबूत भी मिले हैं। अभी भी वह राज खोल रहे हैं। हालांकि हेरफेर के पीछे किसकी शह थी, क्या कोई बड़ा शख्स इसका साजिशकर्ता है? आखिर कौन है वह जो जानबूझकर इस मामले को दबाने के लिए कथित आंतरिक कमेटी बना कर अपने पापों पर परदा डालने की कोशिश करते रहे देर सवेर इस बड़े किरदार के धतकरम के सारे राज सामने आएंगे तो बहुत से लोगों को गहरा धक्का लगा सकता है।

करीब एक सप्ताह पहले राम मंदिर में आए चढ़ावे और दान (चंदे) में कथित गड़बड़ियों और चोरी को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। आरोपों के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने एक विशेष जांच दल का गठन किया है, जो पूरे मामले की जांच कर रही है। उत्तर प्रदेश सरकार ने दान में हेराफेरी के आरोपों की जांच के लिए 3 सदस्यीय स्ढ्ढञ्ज का गठन किया है। इसे 7 दिन में प्रारंभिक और 15 दिन में अंतिम रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। मंदिर के दानपात्र और चढ़ावे की गिनती का काम करने वाले कुछ कर्मचारी जांच के घेरे में हैं। 18-20 हजार रुपये प्रतिमाह कमाने वाले कर्मचारियों द्वारा डेढ़ करोड़ रुपये तक की जमीन खरीदने की बात सामने आई है। एक कर्मचारी के घर से भारी नकदी बरामद होने की बात भी सामने आई है। पुलिस ने संदेह के आधार पर कर्मचारियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने इस मामले को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। वहीं, राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने आंतरिक ऑडिट का हवाला देते हुए किसी बड़ी गड़बड़ी से फिलहाल इनकार किया है।

आपको बता दें कि कुछ ऐसे विडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिनमें दान की गिनती के दौरान कर्मचारी और पुजारी रूपये की गड्डी हेरफेर कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करुणे और रमाशंकर से पूछताछ जारी है । रिकवरी भी की गई है। । इससे ये स्पष्ट हो गया है कि इनकी इसमें भूमिका है लेकिन इतने संवेदनशील जगह से रकम पार करते रहने और पकड़ा न जाना कई सवाल खड़े करता है। जब वह पकड़े गए हैं तब तक करोड़ों की रकम इधर से उधर की जा चुकी है। ऐसे में अंदेशा है कि क्या इसके पीछे किसी बड़े शख्स की साजिश है। वह ट्रस्ट से जुड़ा या फिर किसी अन्य विभाग आदि से है। फिलहाल इसको लेकर कोई स्पष्टता नहीं है इतने संवेदनशील व बड़े मामले में अब तक ट्रस्ट के किसी बड़े जिम्मेदार ने कोई बयान जारी नहीं किया है। हर कोई खामोश है। इसलिए तमाम तरह की चर्चाओं व कयास का दौर जारी है। ट्रस्ट से जुड़े जुड़े दो ऐसे लोग भी हैं, जिन पर कई सवाल उठ रहे हैं। उनकी कोई भूमिका है या नहीं, ये तभी पता चल सकेगा जब कोई एजेंसी या एसआईटी मामले की विस्तृत जांच करेगी।

ट्रस्ट से जुड़े एक पदाधिकारी का टिन्नू करीबी है। वह दशकों से उनसे जुड़ा है। जिन पांच संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है, उसमें शामिल रमाशंकर का टिन्नू रिश्तेदार भी है। सूत्रों के मुताबिक टिन्नू का हस्तक्षेप हर किसी काम में रहता था। इसलिए उस पर सवाल उठ रहे हैं। उसको लेकर ट्रस्ट के एक पूर्व पदाधिकारी ने कैमरे सामने गंभीर आरोप लगाए थे।

पुलिस अधिकारी का कहना है कि मामले में कोई लिखित शिकायत तक नहीं मिली है। लिहाजा पूछताछ आदि का सवाल ही नहीं उठता है। पुलिस के बड़े अधिकारी भी खामोश हैं। हालांकि सूत्रों का कहना है कि पूछताछ से लेकर रिकवरी की प्रक्रिया में पुलिस की एक टीम लगी है। राम मंदिर की

दान राशि में गबन के मामले में अब तक 2.98 करोड़ रुपये की रिकवरी की जा चुकी है। यह रकम पकड़े गए संदिग्धों की निशानदेही पर बरामद की गई है। गुपचुप ढंग से चल रही जांच में आठ करोड़ रुपये से अधिक के हेरफेर के संकेत व साक्ष्य मिले हैं। हालांकि जांच पूरी होने के बाद यह राशि घट या बढ़ सकती है।

श्रीराम मंदिर के दानपात्रों की धनराशि चोरी करने का खेल शायद सामने भी नहीं आ पाता, यदि इसके सूत्रधार वे नहीं बनते, जो मंदिर प्रबंधन में दखल बढ़ाने को लेकर परेशान थे।इन्हीं लोगों ने रणनीति के तहत पहले सूचनाएं एकत्र कीं, फिर ट्रस्ट के एक पदाधिकारी को जानकारी देकर आरोपित को रंगे हाथ पकड़वाया।इसे छिपाने का प्रयास हुआ तो जानकारी लीक कर दी गई। सूत्र बताते हैं कि ट्रस्ट के एक पदाधिकारी के ड्राइवर रहे रामशंकर यादव 'टिन्नू' का बहुत कम समय में इतना हस्तक्षेप बढ़ गया कि वह न केवल राम मंदिर का प्रबंधन देखने लगा, बल्कि परिसर के अन्य आयोजनों व कार्यों का भी दायित्व संभालने लगा।पता चला कि यह गड़बड़ी लंबे समय से चल रही है। इस प्रकरण से उक्त ट्रस्ट पदाधिकारी को सूचित कर रंगे हाथ पकड़वाने के बारे में सोचा गया।

पांच जून को दोपहर में अचानक ट्रस्ट पदाधिकारी रामजन्मभूमि के यात्री सुविधा केंद्र (पीएफसी) पहुंच गए। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने तुरंत सुरक्षाकर्मी को बुला कर निकलते समय एक गणना कर्मी की तलाशी करा दी, तो कुछ धन बरामद हो गया। उससे पीएफसी के कमरे में ले जाकर गहन पूछताछ हुई तो दूसरे लोगों के नाम भी सामने आ गए। बता दें कि इस सनसनीखेज मामले के खुलासे के बाद से ट्रस्ट गोपनीय जांच में जुटा है। लेकिन पदाधिकारी लगातार चुप्पी साधे हैं। आधिकारिक तौर पर पुलिस को भी शामिल नहीं किया गया है। लेकिन करोड़ों का गबन की रिकवरी की जद्दोजहद में सभी जुटे हैं।

पकड़े गए संदिग्धों के अलावा और कौन-कौन लोग इसमें शामिल हैं इसका पता लगाया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक अभी तक गबन की राशि सही आंकड़ा सामने नहीं आया है, लेकिन संदिग्धों से पूछताछ में मिली जानकारी व साक्ष्यों के आधार पर आठ करोड़ से अधिक के खेल का अंदेशा है। संदिग्धों के घर व ठिकानों के साथ बैंक खाते भी खंगाले जा रहे हैं। इनमें अवनीश के खाते से पांच लाख रुपये मिले हैं। यह रकम उसने दान राशि से गायब की थी। जेवरात भी मिले हैं।पुलिस ने शनिवार को रुदौली के मीनापुर ठकुरन फगौली गांव में मंदिर कर्मचारी लवकुश के घर छापा मारा गया। बताया जा रहा है कि इस दौरान 10-12 लाख रुपये बरामद किए गए।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर को मिले दान में गबन के तूल पकड़ने के बाद आखिरकार राज्य सरकार ने तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर दिया। एसआईटी में लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, लखनऊ जोन की पुलिस महानिरीक्षक किरन एस और विशेष वित्त सचिव नीलरतन शामिल हैं। दल सात दिन में प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा और 15 दिन में अंतिम रिपोर्ट देगा।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष के इस बयान के बाद श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का बयान भी सामने आया। उन्होंने कहाकि मंदिर नियमित रूप से आने वाले ट्रस्ट का ऑडिट करवाता है। ऐसे में किसी भी गलती की गुंजाइश नहीं है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि वर्तमान ऑडिट अभी चल रहा है। अभी तक कोई गड़बड़ी सामने नहीं आई है। ट्रस्ट की तरफ से कहा गया कि यह सभी आरोप तीर्थ क्षेत्र की छवि को खराब करने के लिए और करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत करने की गंभीर साजिश का हिस्सा हैं।

ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय और ट्रस्ट का बयान भले ही सामने आ गया हो, लेकिन मंदिर में गबन की खबरों के बाद मामला तूल पकड़ गया। सरकार की तरफ से भी इस पर तमाम ऐक्शन की खबरें सामने आईं। इतना ही नहीं पीएमओ ने भी इन आरोपों पर नोटिस जारी कर जवाब मांग लिया। विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले की जांच एसआईटी कर रही है और उसकी रिपोर्ट 15 दिनों के भीतर आने की संभावना है। जांच पूरी होने से पहले एफआइआर दर्ज करने की मांग करना जल्दबाजी होगी। जाहिर है कि राम मंदिर से जुड़े मामले के कारण सरकार संगठन और मंदिर प्रबंधन सभी सधे कदमों से फूंक फूंक कर कदम रख रहे हैं लेकिन कोई चोरों का संरक्षण देने वाला किरदार जरूरी है और इस अहम किरदार का नाम सामने आने से होने वाली बदनामी से बचना चाहते हैं। लेकिन क्या यह उचित है?

मनोज कुमार अग्रवाल

कोविड के बाद 3 वर्षों में 6 करोड़ मधुमेह रोगी बढ़ेः भारत कैसे बन रहा 'डायबिटीज कैपिटल'?

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

कोविड-19 खत्म हुए 3 साल हो गए, लेकिन उसकी एक चुप छाप अब भारत की सेहत पर भारी पड़ रही है। आईसीएमआर और इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन की रिपोर्ट बताती हैं कि 2021 से 2024 के बीच भारत में मधुमेह के मरीजों की संख्या में 6 करोड़ से ज्यादा का इजाफा हुआ है। 2021मे भारत में डायबिटीज के मरीज करीब 7.7 करोड़ थे। 2024 में ये संख्या बढ़कर 8.98 करोड़ पहुंच गई। यानी 1.28 करोड़ का इजाफा सिर्फ 3 साल में। 2026 तक आईसीएमआर के मुताबिक देश में अब 10 करोड़ लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं। 13 करोड़ लोग ऐसी स्थिति में हैं जहां अगर लाइफस्टाइल न बदली तो अगले 5-10 साल में वो डायबिटीज के मरीज बन जाएंगे। आईडीएफ की 'डायबिटीज एटलस 2025' कहती है कि भारत में 2050 तक ये संख्या 15.67 करोड़ तक पहुंच सकती है। कोविड का क्या रोल रहा? डॉक्टरों का मानना है कि महामारी ने डायबिटीज की रफ्तार को 5 साल आगे बढ़ा दिया। लाइफस्टाइल ठप- लॉकडाउन में शारीरिक गतिविधि कम हुई, स्क्रीन टाइम और बैठे रहने का समय बढ़ा। मद्रास डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन की डॉ. अंजना कहती हैं कि कोविड के बाद फिजिकल इनएक्टिविटी डायबिटीज का बड़ा रिस्क फैक्टर बन गई। स्ट्रेस और अनियमित नींद काम का दबाव, अनिश्चितता और नींद का पैटर्न बिगड़ने से इंसुलिन रेजिस्टेंस बढ़ा।

डाइट में बदलाव- घर पर बैठे-बैठे प्रोसेस्ड फूड, मीठे पेय और फास्ट फूड की खपत बढ़ी। पोस्ट-कोविड इफेक्ट- कई स्टडी में दिखा कि कोविड से उबरने वाले लोगों में पहले साल में डायबिटीज का खतरा 40% तक बढ़ गया। वायरस अग्न्याशय पर असर डाल सकता है। कौन सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है? शहर या गांव - रांची, जमशेदपुर, धनबाद जैसे शहरों में 13-14% लोग डायबिटीज से ग्रसित हैं, जबकि ग्रामीण इलाकों में ये 3-5% है। युवा और बच्चे- अब ये बीमारी सिर्फ 45+ की नहीं रही। दिल्ली में 14 साल से कम उम्र के बच्चों में भी मौतें दर्ज हुई हैं।

आदिवासी इलाके- झारखंड जैसे राज्यों में आदिवासी समुदाय में भी डायबिटीज तेजी से बढ़ रही है। इसकी वजह प्रोसेस्ड फूड, मोबाइल-स्क्रीन का बढ़ता इस्तेमाल और बदलती जीवनशैली है।

मौतें भी बढ़ीं- दिल्ली सरकार के एमसीसीडी डेटा के मुताबिक 2024 में डायबिटीज से 2,459 लोगों की मौत हुई, जबकि 2023 में ये 1,823 थी। अस्पतालों में डायबिटीज से मौतें 544 बढ़ीं। राष्ट्रीय स्तर पर 2024 में हर 9 सेकंड में एक मौत डायबिटीज की वजह से हुई। क्यों नहीं रुक रहा ये सिलसिला?

डॉक्टर 4 वजहें बताते हैं- पश्चिमी डाइट तले-भुने, बेकरी प्रोडक्ट, मीठे ड्रिंक्स और परिष्कृत कार्बोहाइड्रेट का बढ़ता चलन। मोटापा देश में 60 करोड़ लोग ओवरवेट या ओबेस हैं। मोटापा टाइप-2 डायबिटीज का सबसे बड़ा रिस्क फैक्टर है।

जागरूकता की कमी- ज्यादातर लोग तब जांच कराते हैं जब बीमारी बढ़ चुकी होती है। अनियंत्रित दवाएं- दवाएं बिना डॉक्टर की सलाह के ली जा रही हैं, जिससे किडनी और पैंक्रियाज को नुकसान पहुंच रहा है। आगे का रास्ता- स्क्रीनिंग बढ़ाओ- 30 साल से ऊपर हर व्यक्ति को साल में एक बार शुगर टेस्ट कराना चाहिए। लाइफस्टाइल रिवर्स करो- रोज 30 मिनट चलना, शुगर-प्रोसेस्ड फूड कम करना, नींद 7-8 घंटे। स्कूल लेवल पर बदलाव- बच्चों में फास्ट फूड और कोल्ड ड्रिंक पर रोक जरूरी है। सरकारी स्तर पर- एनसीडी स्क्रीनिंग प्रोग्राम को ग्रामीण इलाकों तक ले जाना होगा। कोविड ने सिर्फ फेफड़े ही नहीं, मेटाबॉलिज्म भी खराब किया। 6 करोड़ नए मरीजों का मतलब है कि हर 2 सेकंड में एक भारतीय डायबिटीज की चपेट में आ रहा है। अगर अभी कदम नहीं उठाए गए तो 2050 तक भारत में हर 7वां व्यक्ति डायबिटिक होगा। ये सिर्फ स्वास्थ्य का नहीं, देश की अर्थव्यवस्था का भी संकट है, क्योंकि डायबिटीज दिल, किडनी और आंखों की बीमारियों का सीधा रास्ता है। वैज्ञानिक तौर पर भले ही पुष्टि नहीं हुई हो, मगर कोविड काल के बाद लोगों में बीमारियां बढ़ने का रुझान देखा गया है। मधुमेह को लेकर कोविड काल के बाद आए राष्ट्रीय परिवार कल्याण सर्वेक्षण -6 के आंकड़े भी इसकी पुष्टि कर रहे हैं।

संस्कारों और चरित्र से श्रेष्ठ समाज एवं राष्ट्र का निर्माण।

प्राचीन काल से लेकर आज तक विचारधाराएँ समाज की मार्गदर्शक रही हैं। उन्होंने मानव सभ्यता को दिशा दी है, उसे अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने का कार्य किया है। व्यक्ति का जीवन उसके विचारों का ही प्रतिफल होता है। जैसा वह सोचता है, वैसा ही बनता जाता है। यही कारण है कि महान चिंतकों और दार्शनिकों के विचार समय और सीमाओं को लांघकर पीढ़ियों को प्रभावित करते रहे हैं।विचार और सिद्धांत मनुष्य की अंतःप्रज्ञा के दर्पण होते हैं। यही विचार व्यक्ति के चरित्र का निर्माण करते हैं और वही चरित्र आगे चलकर समाज तथा राष्ट्र की दिशा निर्धारित करता है। जब कोई श्रेष्ठ विचार जनमानस तक पहुँचता है और लोग उसे आत्मसात कर लेते हैं, तब वह केवल विचार नहीं रहता, बल्कि एक जनआंदोलन का स्वरूप धारण कर लेता है। इतिहास साक्षी है कि युग परिवर्तन की प्रत्येक बड़ी लहर किसी न किसी महान विचार से ही उत्पन्न हुई है।

प्राचीन यूनान के महान दार्शनिक इसका सर्वोत्तम उदाहरण हैं। वे रूप-रंग से भले ही आकर्षक नहीं थे, किंतु उनकी विद्वता, मौलिक चिंतन और जनजागरण की क्षमता असाधारण थी। सामान्य जन उन्हें तत्कालीन शासकों से अधिक बुद्धिमान और सम्माननीय मानते थे। उनकी स्वतंत्र विचारधारा तत्कालीन सत्ता को असहज करती थी। परिणामस्वरूप उन्हें मृत्युदंड दिया गया और विषपान के लिए बाध्य किया गया। किंतु सुकरात का शरीर भले समाप्त हो गया, उनके विचार आज भी जीवित हैं और मानवता का मार्गदर्शन कर रहे हैं। यह विचारों की अमरता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

इसी प्रकार ने दासप्रथा के विरुद्ध आवाज उठाते हुए कहा था कि दास भी उतने ही मनुष्य हैं जितने उनके स्वामी। उनके इस विचार ने तत्कालीन अमेरिकी समाज को झकझोर दिया। विरोध इतना तीव्र था कि अंततः उनकी हत्या कर दी गई, किंतु उनके विचारों ने दासप्रथा उन्मूलन का मार्ग प्रशस्त किया। जनमानस की अंतरात्मा जागृत हुई और मानव अधिकारों की स्थापना का नया अध्याय आरंभ हुआ।

भारत में ने विचारों की शक्ति को अत्यंत सरल शब्दों में व्यक्त किया था– 'हम जो सोचते हैं, वही बन जाते हैं।' उनके अनुसार विचार ही व्यक्ति का निर्माण करते हैं। वही उसे महानता की ओर ले जाते हैं अथवा पतन के मार्ग पर धकेलते हैं। विचारों के बिना व्यक्ति का कोई अस्तित्व नहीं है। आज विवेकानंद हमारे बीच सशरीर उपस्थित नहीं हैं, किंतु उनके विचार आज भी करोड़ों युवाओं को प्रेरणा दे रहे हैं। इससे स्पष्ट होता है कि भौतिक शरीर नष्ट हो सकता है, परंतु श्रेष्ठ विचार कभी नष्ट नहीं होते।

विचारों की यही अमरता किसी भी तानाशाह के लिए सबसे बड़ी चुनौती होती है। इतिहास में अनेक बार सत्ता ने व्यक्तियों को कुचलने का प्रयास किया है, किंतु विचारों को समाप्त नहीं कर सकी। चाहे वह हो या , दोनों के मूल में विचारों की शक्ति ही थी। जब जनमानस जागृत हुआ तो दमन और भय की दीवारें ढह गईं। यही कारण है कि कहा जाता है–व्यक्ति को दबाया जा सकता है, पर विचारों को नहीं।

एक व्यक्ति का विचार तब तक सीमित रहता है जब तक वह केवल उसके मन में है। किंतु जैसे ही वह विचार समाज तक पहुँचता है, हजारों-लाखों लोग उससे जुड़ जाते हैं। तब वह विचार एक सामूहिक चेतना का रूप धारण कर लेता है। विचारों की यही सघनता और व्यापकता किसी भी परिवर्तनकारी आंदोलन की आधारशिला होती है। विचार एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुँचते हैं और निरंतर विकसित होते रहते हैं। यही प्रक्रिया उन्हें अमर बनाती है। इसके विपरीत जहाँ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दमन किया जाता है, वहाँ विचारों का स्वाभाविक विकास अवरुद्ध हो जाता है। किसी भी समाज में ज्ञान, संवाद और स्वतंत्र चिंतन का वातावरण आवश्यक है। स्वस्थ लोकतंत्र वही है जहाँ व्यक्ति को अपने विचार व्यक्त करने की स्वतंत्रता हो तथा समाज नवीन और उत्कृष्ट चिंतन को स्वीकार करने के लिए तैयार हो।

ज्ञान व्यक्ति को दिशा देता है, संस्कार उसे मर्यादा प्रदान करते हैं और चरित्र उसे विश्वसनीय बनाता है। इन तीनों का समन्वय ही श्रेष्ठ समाज और सशक्त राष्ट्र की नींव है। केवल आर्थिक विकास किसी राष्ट्र को महान नहीं बना सकता। राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके नागरिकों के ज्ञान, उनके संस्कारों और उनके चरित्र में निहित होती है।

अतः आवश्यकता इस बात की है कि हम आने वाली पीढ़ियों को केवल तकनीकी शिक्षा ही न दें, बल्कि उन्हें नैतिक मूल्यों, मानवीय संवेदनाओं और उच्च आदर्शों से भी जोड़ें। क्योंकि विचार ही भविष्य का निर्माण करते हैं, संस्कार उसे स्थायित्व प्रदान करते हैं और चरित्र उसे महानता के शिखर तक पहुँचाता है। यह शाश्वत सत्य है कि विचार अनादि काल से गतिशील रहे हैं और अनंत काल तक गतिशील रहेंगे। जो व्यक्ति मानवता के हित में श्रेष्ठ विचारों का प्रतिपादन करता है, वह अपने शरीर के नष्ट हो जाने के बाद भी अपने विचारों के माध्यम से अमर बना रहता है। यही विचार युगों का निर्माण करते हैं, समाज को दिशा देते हैं और राष्ट्रों की नियति बदल देते हैं।

संजीव ठाकुर

कविता

अपनी सादगी में मुस्कुरा देना।

अपनी सादगी में मुस्कुरा देना।

मिल जाओ कहीं तो मुस्कुरा देना,
दिल की हर कशिश में मुस्कुरा देना।

विषम स्थिति में बड़ी दवा मुस्कुरा देना,
ग़म की हर घड़ी में मुस्कुरा देना।

जब भी ज़िंदगी इम्तिहाँ लेने लगे,
हौसलों की लौ में मुस्कुरा देना।

दर्द जब हद से गुज़रने लगे कभी,
अश्क़ की नमी में मुस्कुरा देना।

राह में जब अँधेरों का राज हो,
दिल की रोशनी में मुस्कुरा देना।

लोग जब तुम्हें समझ न पाएँ कभी,
अपनी सादगी में मुस्कुरा देना।

वक़्त जब ख़िलाफ़तों में ढलने लगे,
सब्र के सागर में मुस्कुरा देना।

टूटते हुए ख़्वाब जब सताएँ बहुत,
नई एक सदी में मुस्कुरा देना।

इश्क़ हो, वफ़ा हो या जुदाई का सफ़र,
हर एक बंदगी में मुस्कुरा देना।

'संजीव' ये हुनर गर आ गया तुम्हें,
ज़िंदगी की हर घड़ी में मुस्कुरा देना।

संजीव ठाकुर

दैनिक राशिफल

मेष कल का दिन आत्मविश्वास बढ़ाने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।
शुभ रंगः लाल 7 शुभ अंकः 9

वृषभ धन संबंधी मामलों में सावधानी रखें। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।
शुभ रंगः सफेद 7 शुभ अंकः 6

मिथुन व्यापार में लाभ के संकेत हैं। संचार कौशल के कारण आपके कार्य बनेंगे। विद्यार्थियों को पढ़ाई में सफलता मिलेगी।
शुभ रंगः हरा 7 शुभ अंकः 5

कर्क भावनाओं पर नियंत्रण रखें। परिवार में किसी शुभ कार्य की चर्चा हो सकती है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।
शुभ रंगः चांदी 7 शुभ अंकः 2

सिंह मान-सम्मान में वृद्धि होगी। नौकरी में पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। निवेश के लिए समय अनुकूल है।
शुभ रंगः सुनहरा 7 शुभ अंकः 1

कन्या कार्यस्थल पर मेहनत का फल मिलेगा। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।
शुभ रंगः हरा 7 शुभ अंकः 5

तुला सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नए लोगों से संपर्क भविष्य में लाभदायक सिद्ध होंगे। खर्चों पर नियंत्रण रखें।
शुभ रंगः गुलाबी 7 शुभ अंकः 6

वृश्चिक महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर लें। करियर में प्रगति के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।
शुभ रंगः लाल 7 शुभ अंकः 9

धनु भाग्य का साथ मिलेगा। धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। यात्रा के योग बन सकते हैं।
शुभ रंगः पीला 7 शुभ अंकः 3

मकर धन निवेश में सावधानी बरतें। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है, लेकिन आपकी मेहनत रंग लाएगी।
शुभ रंगः नीला 7 शुभ अंकः 8

कुंभ साझेदारी के कार्यों में सफलता मिलेगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं।
शुभ रंगः आसमानी 7 शुभ अंकः 4

मीन स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी और व्यवसाय में सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। पुराने विवाद समाप्त हो सकते हैं।
शुभ रंगः पीला 7 शुभ अंकः 7

रोजगार का सूखा, विकास की हरियालीः युवा भारत की असली तस्वीर क्या?

[बेरोजगारी की तपती आग में राख हो रहा विकसित भारत का सपना]

[विकास की जय-जयकार में दब गई लाखों युवाओं की रोजगार की पुकार]

देश के राजमार्ग विस्तृत हो रहे हैं, हवाई अड्डे आधुनिक बन रहे हैं, डिजिटल अर्थव्यवस्था नए कीर्तिमान गढ़ रही है और भारत विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। लेकिन इस चमकदार विकास के बीच एक प्रश्न लगातार उठ रहा है–यदि प्रगति इतनी तेज़ है, तो रोजगार के अवसर क्यों सिकुड़ रहे हैं? हालिया आँकड़ों के अनुसार, मई 2026 में बेरोजगारी दर 5.5 प्रतिशत तक पहुँचना केवल एक आर्थिक संकेतक नहीं, बल्कि लाखों युवाओं, ग्रामीण परिवारों और शिक्षित बेरोजगारों की बढ़ती चिंता का प्रतिबिंब है। विकास की रफ्तार बढ़ रही है, पर रोजगार उसका साथ नहीं दे पा रहा। यही असंतुलन आज भारत की सबसे बड़ी आर्थिक और सामाजिक चुनौती बन गया है। क्या रोजगार सृजन के बिना विकास की यह यात्रा सचमुच पूर्ण कही जा सकती है?

इस चुनौती का सबसे गहरा असर ग्रामीण भारत में दिखाई देता है। पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) के अनुसार मई 2026 में ग्रामीण बेरोजगारी दर 5.1 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है। यह आँकड़ा भले छोटा लगे, पर इसके पीछे की सच्चाई कहीं अधिक गंभीर है। गाँव का युवा अब केवल खेती के सहारे अपना भविष्य नहीं देखता। कृषि आय की अनिश्चितता, बढ़ती लागत और सीमित अवसरों ने उसका भरोसा डगमगा दिया है। वहीं गैर-कृषि क्षेत्रों में रोजगार सृजन की गति भी अपेक्षित नहीं रही। नतीजतन, लाखों युवा या तो शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं या बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं। मनरेगा में बढ़ती मांग इस बात का स्पष्ट संकेत है कि रोजगार संकट अब गाँवों की चौखट तक पहुँच चुका है।

शहरी क्षेत्रों की तस्वीर भी पूरी तरह संतोषजनक नहीं है। यद्यपि शहरी बेरोजगारी दर 6.4 प्रतिशत रही, लेकिन रोजगार बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने अवसरों को सीमित कर दिया है। जिन शहरों को कभी संभावनाओं का केंद्र माना जाता था, वहीं आज हजारों योग्य युवा नौकरी की तलाश में भटक रहे हैं। आईटी और सेवा क्षेत्र, जो लंबे समय तक रोजगार वृद्धि के प्रमुख आधार रहे, अब अपेक्षाकृत धीमी गति से अवसर पैदा कर रहे हैं। तकनीकी बदलावों और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने भी रोजगार के नए अवसरों को प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप, शहर अब केवल उम्मीदों ही नहीं, बल्कि बढ़ती निराशा के भी केंद्र बनते जा रहे हैं।

सबसे चिंताजनक स्थिति युवाओं की है। 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग में बेरोजगारी दर लगभग 15 प्रतिशत (मार्च 2026 में 15.2%) तक पहुँचना केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि भविष्य को लेकर बढ़ती असुरक्षा का संकेत है।

उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी लाखों युवा रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे हैं। युवा महिलाओं की स्थिति और भी गंभीर है, जिनके लिए अवसर अपेक्षाकृत कम हैं। शिक्षा संस्थानों से निकलने वाले युवाओं के हाथ में डिग्रियाँ तो हैं, लेकिन उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप कौशल का अभाव अक्सर उनके मार्ग में बाधा बन जाता है। यही बढ़ता 'स्किल गैप' भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश को शक्ति के बजाय चुनौती में बदलने का खतरा पैदा कर रहा है।

इस स्थिति ने स्वाभाविक रूप से सरकार पर भी दबाव बढ़ाया है। पीएम किसान, आत्मनिर्भर भारत, स्किल इंडिया और स्टैंडअप इंडिया जैसी योजनाओं ने रोजगार और स्वरोजगार के क्षेत्र में सकारात्मक पहल की है, लेकिन व्यापक स्तर पर रोजगार सृजन अब भी अपेक्षित गति नहीं पकड़ सका है। विनिर्माण क्षेत्र में 'चाइना प्लस वन' रणनीति ने भारत के लिए नए अवसरों के द्वार खोले हैं, किंतु उन्हें बड़े पैमाने पर रोजगार में बदलने की प्रक्रिया अभी अधूरी है। विशेषकर एमएसएमई क्षेत्र वित्तीय चुनौतियों, सीमित ऋण उपलब्धता और अन्य संरचनात्मक बाधाओं से जूझ रहा है, जबकि सबसे अधिक रोजगार सृजन की क्षमता इसी क्षेत्र में निहित है।

वास्तविक आवश्यकता अब ऐसी आर्थिक दृष्टि की है, जिसमें विकास और रोजगार को अलग-अलग नहीं, बल्कि एक-दूसरे का आधार माना जाए। मुद्रास्फीति पर नियंत्रण, बुनियादी ढाँचे का विस्तार और डिजिटल अर्थव्यवस्था का सशक्तीकरण निस्संदेह महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हैं, किंतु केवल इनके बल पर रोजगार संकट का स्थायी समाधान संभव नहीं है। ग्रामीण भारत को नई शक्ति और गति देने के लिए फूड प्रोसेसिंग, पर्यटन, हस्तशिल्प, लघु उद्योगों तथा नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में व्यापक और लक्षित निवेश की आवश्यकता है। यदि रोजगार के अवसर स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगे, तो पलायन कम होगा और क्षेत्रीय असमानताएँ भी घटेंगी।

महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी बढ़ाना भी उतना ही आवश्यक है। सुरक्षित कार्य वातावरण, कौशल विकास कार्यक्रमों और उद्यमिता को प्रोत्साहन देकर लाखों महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से प्रभावी रूप से जोड़ा जा सकता है। साथ ही शिक्षा संस्थानों और उद्योग जगत के बीच मजबूत एवं व्यावहारिक तालमेल स्थापित करना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है, ताकि युवाओं को केवल डिग्री नहीं, बल्कि वास्तविक रोजगार योग्य कौशल भी प्राप्त हो सके। रोजगार का प्रश्न केवल नौकरी तक सीमित नहीं है; यह आत्मसम्मान, सामाजिक स्थिरता और राष्ट्रीय प्रगति से जुड़ा एक गहन एवं व्यापक विषय है। यह आँकड़े वर्तमान साप्ताहिक स्थिति पर आधारित हैं, जो अल्पकालिक बेरोजगारी को अधिक स्पष्ट दिखाते हैं, जबकि सामान्य स्थिति (वार्षिक) में यह दर लगभग 3.2 प्रतिशत रहती है।

दरअसल, यह संकट एक बड़ा अवसर भी है। भारत के पास विश्व का सबसे बड़ा युवा कार्यबल बनने की क्षमता है, पर यह तभी संपदा बनेगा जब रोजगार को राजनीतिक विमर्श से ऊपर उठाकर राष्ट्रीय संकल्प बनाया जाए। 5.5 प्रतिशत बेरोजगारी दर चेतावनी देती है कि विकास का अर्थ केवल ऊँची जीडीपी, निवेश या चमकते शहर नहीं हैं। विकास तभी सार्थक है जब वह युवाओं को काम, परिवारों को सुरक्षा और समाज को विश्वास दे। ग्रामीण भारत की उम्मीदों को केंद्र में रखकर रोजगार-प्रधान और समावेशी नीतियाँ अपनाई जाएँ, तभी 'विकसित भारत' का सपना साकार हो सकता है, वरना विकास की चमक के पीछे बेरोजगारी की परछाई और गहरी होती जाएगी।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

डीएम की अध्यक्षता में 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान की समीक्षा बैठक संपन्न

रायबरेली:- जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में जनपद में चलाये जा रहे राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान की समीक्षा बैठक की गई। जिलाधिकारी द्वारा समस्त टीबी सूचकांको की समीक्षा करते हुए कार्यकम में सुधार हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नवीन चंद्रा द्वारा अवगत कराया गया कि अभियान के दौरान अब तक 27146 व्यक्तियों की जांच हेतु इनरोलमेंट करते हुए 14848 एक्सरे तथा 8261 नाट जांचे करायी गयी है। माह जून में विकास खण्ड बछरावां, डीह, दीनशाहगौरा तथा सतांव में मेडिकल मोबाइल यूनिट के माध्यम से चिन्हित हाई रिस्क ग्रामों में स्वास्थ्य शिविर चलाया जा रहा है। इस स्वास्थ्य शिविर में हैण्ड हेल्ड एक्सरे मशीन द्वारा एक्सरे तथा खून की जांचे तथा बलगम संग्रहण किया जा रहा है। जिलाधिकारी द्वारा अभियान की सफलता हेतु जनमानस से सहभागिता हेतु अपील की गयी। साथ ही समस्त अधीक्षक सामु0 स्वा0 केन्द्र को उनके सीएचसी क्षेत्र में चिन्हित समस्त हाई रिस्क ग्रामों में सम्बन्धित ब्लाक अधिकारी तथा ग्राम प्रधान के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर लगाते हुए टीबी स्क्रीनिंग एवं क्षयरोग से सम्बन्धित प्रचार प्रसार हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा समस्त ग्राम प्रधानों को टीबी मुक्त भारत ऐप डाउनलोड कराकर निःक्षय मित्र बनाये जाने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, जिला क्षयरोग अधिकारी सहित समस्त सीएचसी अधीक्षक तथा एनटीईपी कर्मचारी उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित हुए प्रो. सुनील कुमार

सीतापुर/आचार्य नरेन्द्र देव टीचर्स ट्रेनिंग पीजी कॉलेज, सीतापुर में आचार्य के पद पर कार्यरत प्रो सुनील कुमार क़ो लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, लुम्बिनी नेपाल देश द्वारा दिनाँक 15 व 16 जून 2026 क़ो आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में लम्बे समय तक उनके शिक्षा, शोध और सामाजिक क्षेत्र में दिए गए योगदान के लिए अंतर्राष्ट्रीय ज्ञान गौरव सम्मान से विभूषित किया गया, इस अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में कई देशों के विद्वानों ने ऑफलाइन व ऑनलाइन माध्यम से अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये, प्रो सुनील ने वहाँ रिसोर्स पर्सन की भूमिका में प्रतिभाग किया। प्रो सुनील विभिन्न राज्य व केंद्र द्वारा प्रायोजित सेमिनार व प्रोजेक्ट कार्य का सफल आयोजन व संचालन कर चुके हैं तथा वर्तमान में शिक्षक शिक्षा की देश की सबसे बड़ी व प्रतिष्ठित संस्था भारतीय शिक्षक शिक्षा संघ (आई ए टी ई) की उत्तर क्षेत्रीय समिति के सचिव भी हैं तथा इन्होने पिछले वर्ष इसके अंतर्गत एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन छोटे से सीतापुर जनपद के अपने महाविद्यालय में किया था। वे शैक्षिक व सामाजिक कार्यों में लगातार सक्रिय रहते हैं। उनकी इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्रबंधक रामशंकर अवस्थी अध्यक्ष गया प्रसाद मिश्रा, प्राचार्य प्रो एस पी सिंह सहित सभी शिक्षकों ने बधाई व शुभकामनायें प्रेषित कीं।

राम मंदिर दान राशि चोरी मामलाः शिवपाल सिंह यादव बोले- भारी गबन हुआ, निष्पक्ष जांच की मांग की

लखनऊ। समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने अयोध्या राम मंदिर में दान राशि चोरी के मुद्दे पर बयान दिया है। उन्होंने चंदे के पैसों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी होने की आशंका जताई है। मीडिया से बातचीत करते हुए शिवपाल यादव ने कहा, 'राम मंदिर के चंदे में भारी हेराफेरी हुई है। इसकी पूरी तरह से निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके। 'बता दें कि राज्य सरकार की ओर से गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) के तीनों सदस्य सोमवार को अपराह्न रामजन्मभूमि परिसर में पहुंच गए। एसआईटी में शामिल तीनों सदस्यों के साथ जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी व एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर भी पहुंचे थे। परिसर में पहुंचते ही एसआईटी सदस्यों ने यात्री सुविधा केंद्र के सभागार में बैठककर लंबी चर्चा की। इस दौरान दानपात्रों की धनराशि की गणना से जुड़े प्रत्येक बिंदुओं पर ट्रस्ट पदाधिकारियों व मंदिर से जुड़े लोगों के साथ चर्चा हुई।

बिना एफआईआर राम मंदिर महाघोटाले की एसआईटी जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। अयोध्या में राम मंदिर के गर्भगृह/तिजोरी से पिछले एक साल से अधिक समय से चढ़ावे और दान की राशि चोरी होने का एक बड़ा मामला सामने आया है। इस मामले की जांच के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने विशेष जांच टीम (स्ढ्ढञ्) गठित करके कार्रवाई तेज कर दी है। लेकिन सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस महाघोटाले में अब तक पुलिस ने कोई औपचारिक आधिकारिक स्नढ्ढक्र दर्ज नहीं की है। इसके बावजूद स्ढ्ढञ् संदिग्धों को हिरासत में लेकर लगातार छापेमारी कर रही है। इससे तमाम सवाल उठ रहे हैं कि बिना एफआईआर किस तरह संदिग्ध हिरासत में लिए जा रहे हैं और अदालत में क्या मुकदमा बिना एफआईआर चलेगा। लखनऊ के एक पुलिस अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इस महाघोटाले में करीब 7 करोड़ रुपये की चोरी का अनुमान है, जिसमें से अब तक कुल 2.98 करोड़ रुपये बरामद किए जा चुके हैं। शनिवार रात को पुलिस ने दो अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की थी। मीनापुर ठाकुरान फगौलीः यहाँ एक घर पर मारे गए छापे में पुलिस ने 12 लाख रुपये नकद बरामद किए।मिल्कीपुरः इसके बाद मिल्कीपुर में एक अन्य घर पर छापेमारी की गई, जहाँ से लाखों रुपये की नकदी हाथ लगी। जांच में सामने आया है कि मंदिर में चढ़ावे को इकट्ठा करने, उसकी गिनती करने और उसे बैंकों में जमा करने के लिए 6-6 लोगों की दो टीमें बनाई गई थीं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, तिजोरी और उसके मुख्य दरवाजे पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की जिम्मेदारी जिन लोगों को दी गई थी, उन्होंने जानबूझकर ऐसे कैमरे लगाए जो काम ही नहीं कर रहे थे (नॉन-फंक्शनल थे)। इससे साफ संकेत मिलता है कि इस पूरी साजिश में राम मंदिर प्रबंधन समिति के वरिष्ठ सदस्य और ऊंचे पदों पर बैठे लोग शामिल हैं। पुलिस ने मंदिर प्रबंधन समिति से जुड़े कम से कम पांच लोगों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। इस पूरे मामले में सबसे बड़ा कानूनी सवाल यह खड़ा हो रहा है कि बिना एफआईआर दर्ज किए आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कैसे की जाएगी और उन्हें सजा कैसे मिलेगी? अयोध्या के 45 वर्षीय निवासी विक्रम तिवारी, जिन्होंने अपना पूरा जीवन राम सेवा और मंदिर निर्माण कार्यों में लगाया है, ने इस घटना को लेकर रविवार को पुलिस में अर्जी दी। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए अपनी गहरी निराशा व्यक्त की। भारत में टेलीग्राम पर अस्थायी रोकः नीट री-एग्जाम से पहले केंद्र सरकार का बड़ा फैसला, 22 जून तक पाबंदियां केंद्र सरकार ने मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर अस्थायी रूप से रोक लगाने का फैसला किया है। नीट 2026 की पुनर्परीक्षा के चलते सरकार ने यह कदम उठाया है। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट री-एग्जाम से पहले केंद्र सरकार द्वारा मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने के फैसले का स्वागत किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने निर्देश जारी कर भारत में टेलीग्राम की सेवाओं पर 22 जून 2026 तक अस्थायी रोक लगाने को कहा है। यह कदम 21 जून को आयोजित होने वाली नीट री-एग्जाम की निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। एनटीए का मानना है कि परीक्षा से जुड़े प्रश्नपत्रों, अफवाहों, फर्जी सूचनाओं के प्रसार को रोकने में यह फैसला मददगार साबित होगा। एजेंसी ने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। एनटीए के अनुसार, हाल के वर्षों में विभिन्न प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के दौरान सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से गलत सूचनाओं और परीक्षा सामग्री के कथित प्रसार की घटनाएं सामने आई थीं। ऐसे में एहतियाती कदम के तौर पर यह फैसला लिया गया है। पुनर्परीक्षा में शामिल

होने वाले अभ्यर्थियों से एनटीए ने अपील की है कि वे केवल आधिकारिक वेबसाइट और अधिकृत सूचना माध्यमों पर ही भरोसा करें तथा किसी भी अपुष्ट जानकारी या अफवाह से बचें। एनटीए द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट 2000 की धारा 69ए के तहत टेलीग्राम पर अस्थायी रूप से रोक लगाई गई है और यह रोक 22 जून 2026 तक जारी रहेगी। एक अन्य आदेश के तहत टेलीग्राम को भारत में पहले से भेजे गए संदेशों को संपादित करने की सुविधा 30 जून 2026 तक बंद करनी होगी। इसका उद्देश्य उस सुविधा का दुरुपयोग रोकना है, जिसके जरिए राष्ट्रीय परीक्षाओं के बाद नकली पेपर लीक के सबूत तैयार किए जाते थे। इन दोनों कदमों का उद्देश्य सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना और उन संगठित गिरोहों पर रोक लगाना है जो नीट री-एग्जाम देने वाले छात्रों को धोखा देने के लिए टेलीग्राम का उपयोग कर रहे थे।

ओयो होटल में एसडीएम-पुलिस की छापेमारी से हड़कंप

● अवैध रूप से संचालित स्विमिंग पूल भी मिला

पुलिस ने होटल मैनेजर को हिरासत में लिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के बृजेंद्र नगर मोहल्ला स्थित एक होटल में मंगलवार को एसडीएम और पुलिस की संयुक्त छापेमारी से हड़कंप मच गया। कार्रवाई के दौरान होटल में अफरा तफरी का माहौल बन गया। कई लोग जल्दबाजी में बाहर निकलते नजर आए। मोहल्ले के लोगों ने स्थानीय प्रशासन को शिकायत देकर होटल में संदिग्ध गतिविधियां होने और रिहायशी क्षेत्र में स्विमिंग पूल संचालित किए जाने की जानकारी दी थी। शिकायत के बाद प्रशासन ने जांच की कार्रवाई शुरू की। मंगलवार दोपहर एसडीएम राजेश श्रीवास्तव, नायब तहसीलदार ऋतुराज और प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह पुलिस बल के साथ होटल पहुंचे। अधिकारियों ने होटल के कमरों और अभिलेखों की जांच की। जांच के दौरान होटल में ठहरने वाले लोगों का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। अधिकारियों को होटल का सराय एक्ट के तहत पंजीकरण भी नहीं मिला। इसके अलावा परिसर में बिना अनुमति स्विमिंग पूल संचालित होता पाया गया। अनियमितताएं मिलने पर प्रशासन ने होटल को सीज कर दिया है। पुलिस ने होटल के मैनेजर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। एसडीएम राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि क्षेत्रीय लोगों की शिकायत पर कार्रवाई की गई। जांच में सराय एक्ट के तहत पंजीकरण नहीं मिला और आवश्यक अभिलेख भी उपलब्ध नहीं कराए गए। साथ ही स्विमिंग पूल के संचालन में भी अनियमितताएं मिली हैं। मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

वित्त एवं लेखा अधिकारी बनने पर सुशील कुमार बच्चा का भव्य अभिनंदन

● महासंघ कार्यालय में हुआ सम्मान समारोह, अधिकारियों ने दी बधाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 16 जून जवाहर भवन-इंदिरा भवन कर्मचारी महासंघ के कार्यकारी महामंत्री सुशील कुमार बच्चा एवं प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश लेखा सेवा परिसंघ संजय कुमार पांडे की वित्त एवं लेखा अधिकारी पद पर पदोन्नति होने पर मंगलवार को महासंघ कार्यालय में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता महासंघ के अध्यक्ष सतीश कुमार पांडे ने की।

उन्होंने पदोन्नति के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सभी पदोन्नत अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं तथा कहा कि यह उपलब्धि वित्त एवं लेखा सेवा के अधिकारियों की कार्यकुशलता एवं समर्पण का परिणाम है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश वित्त एवं लेखा सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष निशांत उपाध्याय, महामंत्री सालिगराम, निदेशक पेंशन रविंद्र कुमार मिश्रा, संयुक्त निदेशक पेंशन अभिलेश चंद्र मौर्य, पूर्व वित्त नियंत्रक वीरेंद्र चौबे, उत्तर प्रदेश लेखा एवं लेखा परीक्षा सेवा परिसंघ के संरक्षक दिलीप सक्सेना एवं महामंत्री शरद शुक्ला सहित अनेक अधिकारियों एवं कर्मचारी नेताओं ने नवपदोन्नत अधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार स्टेनोग्राफर्स महासंघ के प्रांतीय अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश वर्मा, उत्तर प्रदेश सचिवालय सत्कार सेवा कर्मचारी संघ के महामंत्री सुजीत कुमार आर्य, महासंघ के महामंत्री रामकुमार धुन, उपाध्यक्ष उमंग निगम, आकिल सईद, बबलू, अमित शुक्ला, मंत्री अजय कुमार धानुक, सर्वेश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने सुशील कुमार बच्चा और संजय कुमार पांडे को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गंगा एक्सप्रेसवे पर ट्रक में घुसी आम लदी पिकअप दो युवक घायल

पीआरवी टीम ने रस्सी बांधकर वाहन खींचा और फंसे घायलों को निकाला

लालगंज (रायबरेली)। गंगा एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के एक बड़ा हादसा हो गया। ऐहार क्षेत्र में आम से लदी एक पिकअप अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में पिकअप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार चालक व परिचालक वाहन में फंस गए। सूचना मिलते ही पीआरवी 7981 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन में रस्सी बांधकर क्षतिग्रस्त पिकअप को खींचा। इसके बाद दोनों घायलों को सुरक्षित बाहर निकाल कर अस्पताल भेज दिया। मलिहाबाद निवासी नवजीवन व सिद्धार्थ पटेल पुत्र रविशंकर पटेल पिकअप में आम लेकर प्रयागराज जा रहे थे। गंगा एक्सप्रेसवे पर ऐहार गांव के निकट उनकी पिकअप सामने चल रहे ट्रक में पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि पिकअप का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। पीआरवी वाहन पर तैनात उपनिरीक्षक मुन्ना सिंह ने बताया कि दोनों घायलों को वाहन से निकालकर उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

लगाए गए आरोपों पर डॉ. इरफान खान ने तोड़ी चुप्पी, बोले- निष्पक्ष जांच में सामने आएगा सच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर- न्यू नेशनल हॉस्पिटल महमूदाबाद के प्रबंधक डॉ. इरफान खान ने उन पर लगाए गए शादी, आर्थिक शोषण और दूसरी शादी से संबंधित आरोपों पर प्रेस वार्ता कर अपना पक्ष सार्वजनिक किया। उन्होंने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा और अस्पताल की छवि को धूमिल करने के उद्देश्य से उन्हें विवाद में घसीटा जा रहा है। डॉ. खान ने कहा कि वह वर्षों से क्षेत्र में चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे हैं और लोगों का विश्वास उनके साथ जुड़ा हुआ है। ऐसे में बिना किसी ठोस साक्ष्य के लगाए जा रहे आरोप न केवल उनकी व्यक्तिगत छवि को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि उनके परिवार और अस्पताल से जुड़े लोगों को भी मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि किसी सक्षम एजेंसी द्वारा मामले की जांच कराई जाती है तो वह उसमें पूर्ण सहयोग करेंगे। साथ ही उन्होंने निष्पक्ष, पारदर्शी और तथ्यों पर आधारित जांच की मांग करते हुए कहा कि उन्हें न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है और सत्य सामने आने पर वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। महिला द्वारा बैंक खाते से धनराशि निकलवाने के लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए डॉ. खान ने कहा कि यदि आरोप लगाने वाली महिला के पास अपने दावों के समर्थन में कोई दस्तावेज या साक्ष्य हैं तो उन्हें संबंधित जांच एजेंसियों अथवा न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल आरोप लगाने मात्र से किसी व्यक्ति को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। दूसरी शादी के आरोपों को लेकर भी उन्होंने स्वयं को निर्दोष बताते हुए कहा कि उनकी छवि खराब करने के लिए भ्रामक बातें प्रचारित की जा रही हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि आरोप लगाने वाली महिला वर्तमान में किसी अन्य व्यक्ति के साथ रह रही है। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र और आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। डॉ. इरफान खान ने कहा कि पूरे विवाद के बावजूद उनकी प्राथमिकता मरीजों की सेवा है और न्यू नेशनल हॉस्पिटल में पूर्व की तरह स्वास्थ्य सेवाएं निर्बाध रूप से जारी रहेंगी। उन्होंने आमजन और मरीजों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी मामले में जांच पूरी होने से पहले अफवाहों और एकतरफा दावों पर विश्वास न करें। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा, 'मैं कानून और न्याय व्यवस्था का सम्मान करता हूं। यदि किसी स्तर पर जांच होती है तो मैं पूरा सहयोग करूंगा। मुझे विश्वास है कि निष्पक्ष जांच में सत्य सामने आएगा और मेरी छवि को नुकसान पहुंचाने के प्रयास विफल होंगे। 'फिलहाल मामला जांच और कानूनी प्रक्रिया के दायरे में है। ऐसे में संबंधित एजेंसियों की जांच और न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही आरोपों की वास्तविकता स्पष्ट हो सकेगी।

ज्येष्ठ के सातवें मंगलवार पर गूंजे जय बजरंगबली के जयकारे

● जगह जगह हुआ प्रसाद वितरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। ज्येष्ठ माह के सातवें मंगलवार को क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति का माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने मंदिरों में पहुंचकर भगवान हनुमान का पूजन-अर्चन किया। कई स्थानों पर सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा और भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ। कस्बे के नई बाजार मोहल्ले में सुंदरकांड पाठ के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। भक्तों ने विधि-विधान से बजरंगबली की पूजा की और हलुए का प्रसाद बांटा। इस अवसर पर पूर्व विधायक चरण बहादुर सिंह ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में भक्ति और सेवा भाव को मजबूत करते हैं। प्रसाद वितरण से लोगों को सेवा का अवसर मिलता है। अस्पताल परिसर में चिकित्सकीय स्टाफ ने मरीजों और उनके तीमारदारों को प्रसाद वितरित किया। वहीं

नई बाजार मोहल्ले में श्रद्धालुओं को कढ़ी-चावल का प्रसाद बांटा गया। कार्यक्रम में आदित्य मिश्रा, विकास मणि त्रिपाठी, गौरव शुक्ला, अंकुर वर्मा, विवेक शर्मा, पप्पू, रजनीश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

हरदेवललन मंदिर में भंडारे का आयोजन

ऐहार गांव में भी जेष्ठ माह के सातवें मंगलवार को हरदेवललन मंदिर में भंडारे का आयोजन किया जिसमें सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया पूडी सब्जी, छोला चावल, प्रसाद के रुप में ग्रहण किया इस मौके पर ललई,रविकुमार, बबलू, राकेश कुमार, भोलेनाथ, अंशु, महेश यादव, रामचरन,केडी तिवारी आदि मौजूद रहे।

महमूदाबाद थाने के सामने कबाड़ में खड़ी मारुति वैन में लगी आग, दमकल ने समय रहते पाया काबू

महमूदाबाद, सीतापुर। महमूदाबाद थाना गेट के सामने कबाड़ में खड़े वाहनों के बीच अचानक एक मारुति वैन में आग लग गई। आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना तुरंत अग्निशमन विभाग को दी। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। समय रहते आग बुझा दिए जाने से आसपास खड़े अन्य कबाड़ वाहनों तक आग फैलने से बच गई। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। संबंधित विभाग द्वारा मामले की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों ने अग्निशमन विभाग की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि यदि समय पर दमकल टीम नहीं पहुंचती तो आग अन्य वाहनों तक फैल सकती थी।

अनोखी साहित्यिक प्रतिभा के धनी थे शायर खुर्शीद अफसर बिसवानी

● भारतीय सभ्यता और इंसानियत के सच्चे पैरोकार थे अफसर बिसवानी

25 वीं पुण्यतिथि पर उन्हें किया गया याद, दी गई श्रद्धांजलि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)- अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शायर खुर्शीद अफसर बिसवानी की 25 वीं पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर मंगलवार को साहित्य प्रेमियों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। बज़्म-ए-सुखनो-अदब एण्ड वेलफेयर सोसायटी जहांगीराबाद के चेयरमैन डॉ0 वकील अहमद खान 'अजहर खैराबादी' के निवास पर आयोजित सभा में उनके अदबी योगदान को याद किया गया। डॉ0 अजहर खैराबादी ने कहा कि स्वर्गीय खुर्शीद अफसर बिसवानी भारतीय सभ्यता और इंसानियत के सच्चे पैरोकार थे। उनकी शायरी में मोहब्बत, कौमी एकता और समाज के संघर्षों की गहरी झलक मिलती है। 16 मार्च 1940 को बिसवां में जन्मे खुर्शीद अफसर ने 21 वर्ष की उम्र से ही साहित्य लेखन शुरू कर दिया था। बचपन में कानपुर में मौलाना हसरत मोहानी से तालीम ली और बाद में जिगर बिसवानी के शागिर्द बने। पेशे से अधिवक्ता रहे खुर्शीद अफसर ने दर्जनों काव्य संग्रह, गीत-गजल संकलन और साहित्यिक ग्रंथों की रचना की। पत्र-पत्रिकाओं में नियमित लेखन से साहित्य को समृद्ध किया। उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिले। 17 जून 2001 को उनका इंतकाल हो गया था। श्रद्धांजलि सभा में जहांगीराबाद सहित आसपास के दर्जनों साहित्य प्रेमी व शायर मौजूद रहे।उनका ये शेर आज भी लोगों को हौसला देता है:- बढ़ते हैं भटकते हैं गिरते हैं, संभलते हैं। मंजिल के तमन्नाई हर हाल में चलते हैं।

सीतापुरः पुलिस चौकी के पास झाड़ियों में मिला महिला का शव, गले पर कटे के निशान; हत्या की आशंका

सीतापुर। रामपुर मथुरा-गोड़ैचा मार्ग पर बांसुरा पुलिस के पास झाड़ियों में महिला का शव सोमवार सुबह मिला। गले पर कटे निशान। गला रेतकर हत्या किए जाने की आशंका है। चर्चा है कि शव कहीं और से लाकर यहां डाला गया है। शव की पहचान नहीं हो पाई है। थाना पुलिस के साथ ही फोरेंसिक टीम घटना का मुआयना किया है। ग्रामीणों के बयान और मिले साक्ष्यों के आधार पर जांच को दिशा देने का प्रयास पुलिस कर रही है। हालांकि, पुलिस अब तक एक बिंदु पर ठहर नहीं पा रही है। पुलिस जांच को दिशा देने के लिए मजबूत साक्ष्य जुटाने में लगी है। नजदीकी गैरजनपद मुख्यालय बराबंकी, बहराइच और लखनऊ हैं। पुलिस इन जनपदों से भी सम्पर्क करके हाल ही लिखे गए गुमशुदगी के मामलों के परीक्षण की कवायद शुरू कर दी है। एक वर्ष पहले से घटना स्थल से करीब तीन किलोमीटर कोठवल गांव के पास महिला का शव मिला था। पुलिस अब तक इस प्रकरण में खाली हाथ है। महिला की पहचान तक नहीं कर पाई।

बसपा की चुनावी रणनीतिः जीत के लिए मायावती ने दिया पिछड़ों को साधने का मंत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। वर्ष 2027 के विधान सभा चुनावों में बढ़त बनाने के लिए बसपा सामाजिक समीकरणों की गोलबंदी की कोशिश में जुटी है। वर्ष 2007 में बसपा की बहुमत की सरकार बनाने के लिए दलितों के साथ पिछड़ों और सवर्णों में विशेषकर ब्राह्मणों की भूमिका को अहम माना जाता है। पार्टी अगले चुनाव में उसी समीकरण को दोहराना चाहती है और दलितों व ब्राह्मणों को तो साधा ही जा रहा है। अब बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने पिछड़ा वर्ग में जनाधार बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। पार्टी के अनुसार, चुनावी तैयारियों के लिए लगातार चल रही बैठकों में बसपा सुप्रीमो ने कहा है कि विरोधी पार्टियों व उनकी सरकारों में चुनावी स्वार्थ के लिए व्यक्तिगत तौर पर तो किसी को आगे बढ़ाया जा सकता है, परंतु ओबीसी समाज की सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक विकास के लिए इन पार्टियों का रवैया संकीर्ण व जातिवादी रहा है। 27 प्रतिशत आरक्षण लाभ देने संबंधी मंडल आयोग की रिपोर्ट का विरोध करने और वर्तमान में आरक्षण को एक प्रकार से निष्क्रिय बनाने से यह बात साबित होती है। दूसरी तरफ बसपा ने अपनी स्थापना के बाद मंडल रिपोर्ट लागू कराने से लेकर अपनी सरकार में पूरे समाज को हर स्तर पर वाजिब हक दिया था। सदियों से उपेक्षित रहे उनके महान संतों, गुरुओं व महापुरुषों में भी भी सम्मान दिया। अलग से मंत्रालय, मंत्री, आयोग एवं विकास योजनाएं आदि बनाई गई थी, परंतु सरकारों की नीयत में खोट के कारण ये सब काम अब कागजों पर नाम के रह गए हैं। मायावती ने निर्देश दिए है कि संगठन पदधिकारी पिछड़ा वर्ग में ये विश्वास जगाएं कि उनका वास्तविक हित बसपा की सरकार में ही हो सकता है, किसी और पार्टी में नहीं।

पिपरी-प्रयागराज कॉरिडोर के 94.73 किमी के दो खंडों का काम जल्द शुरू

● लोक निर्माण विभाग इस वर्ष पिपरी-प्रयागराज कॉरिडोर के 94.73 किमी के दो खंडों (टांडा-सुरहूपुर और शाहगंज-मुगराबाद) का काम शुरू करेगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के उत्तरी हिस्से से दक्षिणी हिस्से को हाईवे से जोड़ने के लिए प्रस्तावित छह नार्थ-साउथ हाईवे कॉरिडोर योजना में शामिल पिपरी (भारत-नेपाल सीमा) से प्रयागराज कॉरिडोर दो वर्ष में बन जाने की उम्मीदें बढ़ी हैं। नेपाल सीमा से प्रयागराज को जोड़ने के क्रम में यह हाईवे शामली-गोरखपुर एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे तथा विंध्य एक्सप्रेसवे से भी जुड़ेगा, जिससे पूर्वांचल के कई जिलों के लोगों का सफर न सिर्फ आसान होगा बल्कि पिछड़े पूर्वांचल में कारोबारी और व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आएगी। कॉरिडोर का काम जल्द शुरू कराने के लिए लोक निर्माण विभाग इस हाईवे के निर्माण के लिए अपने हिस्से के शेष दो बड़े खंडों का काम भी इसी वर्ष शुरू कराएगा। टांडा से सुरहूपुर और शाहगंज से मुंगरा बादशाहपुर मार्ग तक 94.73 किमी हाईवे बनाने की योजना को विभाग ने इस वर्ष की कार्ययोजना में शामिल कर लिया है। पिपरी से बर्डपुर तक 9.4 किमी का काम पहले ही स्वीकृत किया जा चुका है, जिसकी टेंडर प्रक्रिया चल रही है। 94.73 किमी लंबे इन दो खंडों के काम पर 2192.42 करोड़ रुपये खर्च होंगे। टांडा

से सुरहुपुर 29.700 किमी अभी अन्य जिला मार्ग है, मौके पर यह मार्ग तीन मीटर से लेकर सात मीटर तक चौड़ा है। हाईवे कॉरिडोर के तहत इसे 14 मीटर चौड़ा करते हुए फोर लेन बनाया जाना है। वहीं, शाहगंज-मुंगरा बादशाहपुर मार्ग राज्यमार्ग संख्या-79 है, जिसकी चौड़ाई सात मीटर है। इस मार्ग को भी 14 मीटर चौड़ाई में फोर लेन बनाया जाना है। इस कॉरिडोर में 123 किमी हाईवे बनाने का काम सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय को कराना है।

सीतापुर में प्रशासन ने खलिहान की जमीन पर बन रही मस्जिद गिरवाई

सीतापुर। कुर्मिनपुरवा में रविवार को बिसवां तहसील प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वर्षो से विवादित एवं अर्द्धनिर्मित मस्जिद के ढांचे को बुलडोजर से हटवा दिया। साथ ही मस्जिद से सटे चकमार्ग को भी अतिक्रमण मुक्त कराकर आम आवागमन के लिए खाली कराया गया। कुर्मिनपुरवा गांव निवासी हबीब, मजीद, इस्लाम एवं इन्शान पुत्रगण मकदूम ने कई वर्ष पहले खेत में मस्जिद का निर्माण शुरू कराया गया था। निर्माण कार्य आधा ही हो पाया कि पारिवारिक विवाद के चलते बंद हो गया था। जिसके बाद से यह ढांचा विवाद का विषय बना हुआ था। रविवार को तहसीलदार बिसवां अनिल कुमार, लेखपाल अंकुर शेखर वर्मा, थानाध्यक्ष थानगांव विमल गौतम, थानाध्यक्ष रामपुर मथुरा श्यामू चौरसिया भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे और अर्द्धनिर्मित मस्जिद को बुलडोजर से दिया गया। साथ ही उससे सटे चकमार्ग को भी खाली कराकर अतिक्रमण मुक्त कराया गया। बताया जाता है कि आसपास तालाब और खलिहान की लगभग 25 बीघा सरकारी भूमि भी दर्ज है।

संक्षिप्त खबरें

खान सर के गार्डों को नहीं मिली जमानत, पटना के कोचिंग बवाल केस में अब 20 जून को होगी सुनवाई

पटना। राजधानी पटना के मुसल्लहपुर हाट स्थित खान ग्लोबल स्टडीज में हुए बवाल और फायरिंग मामले में मंगलवार को अदालत में सुनवाई हुई। इस दौरान फैजल खान उर्फ खान सर के दोनों गार्डों को राहत नहीं मिली। कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका पर तत्काल फैसला सुनाने के बजाय पुलिस को अपडेटेड केस डायरी और अन्य जरूरी दस्तावेज पेश करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई अब 20 जून को होगी। इसी दिन फैजल खान से जुड़े मामले की भी सुनवाई प्रस्तावित है। उन्?हें 20 जून तक के लिए गिरफ्तारी से राहत मिली है। वहीं, ज्ञान बिंदु जीएस एकेडमी के संचालक रौशन आनंद के सहयोगियों की ओर से भी जमानत याचिका दायर किए जाने की चर्चा तेज है।

फैजल खान पर हत्या का आरोप

इधर, एक दिन पहले जेल से बाहर आए रौशन आनंद ने मामले को नया मोड़ दे दिया है। उन्होंने फैजल खान और एक कोल्ड स्टोरेज मालिक पर अपने भाई प्रिंस यादव की हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि सोमवार देर रात सहरसा में प्रिंस यादव का अंतिम संस्कार किया गया। उनके चाचा ने मुखाग्नि दी। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और समर्थक शामिल हुए। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। प्रिंस यादव के बड़े चाचा मनोज यादव के अनुसार, बेटे की मौत की खबर सुनने के बाद उसके माता-पिता गहरे सदमे में हैं और उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया है। परिवार लगातार न्याय की मांग कर रहा है।

दिल्लीः द्वारका में दो घोषित अपराधी गिरफ्तार, एक देसी कट्टे से वसूलता था रकम

दिल्ली। द्वारका जिला पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई में दो घोषित अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक आरोपित देसी कट्टे के दम पर नशे के आदी लोगों को धमकाकर उनसे पैसे वसूलता था, जबकि दूसरा मोटर वाहन चोरी के मामले में अदालत द्वारा घोषित अपराधी था और लगातार ठिकाने बदलकर गिरफ्तारी से बचने की कोशिश कर रहा था। नजफगढ़ थाना पुलिस की टीम यूईआर-दो, नांगली सकरावती क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर वापस मुड़कर भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसकी पहचान दिलशाद उर्फ मोनू (33) निवासी धर्मपुरा, नजफगढ़ के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक लोडेड देसी कट्टा और एक कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह नशे की लत पूरी करने के लिए अवैध हथियार के बल पर नशेड़ियों को धमकाकर उनसे पैसे लेता था। जांच में पता चला कि वह एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में अदालत द्वारा घोषित अपराधी है। वह नजफगढ़ थाना का घोषित बदमाश भी है और उसके खिलाफ हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट समेत 30 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस संबंध में नजफगढ़ थाने में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं, द्वारका नार्थ थाना पुलिस ने विशेष अभियान के तहत आकाश मेहुलिया उर्फ चीनू (34) को गिरफ्तार किया। पुलिस को सूचना मिली थी कि मोटर वाहन चोरी के मामले में घोषित अपराधी आकाश गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा है। इसके बाद पुलिस टीम ने तकनीकी और मानवीय सूचनाओं के आधार पर सेक्टर-3 द्वारका क्षेत्र में कार्रवाई कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आकाश को 28 जनवरी को मोटर वाहन चोरी के एक मामले में द्वारका कोर्ट द्वारा घोषित अपराधी घोषित किया गया था। उसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, धोखाधड़ी, मारपीट और वाहन चोरी समेत आठ आपराधिक मामले दर्ज हैं।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना के बाद पटरी पर लौटी चढ़ावे की गणना, प्रतिदिन आ रहे 20 लाख रुपये

● राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के बाद बाधित हुई गणना अब पटरी पर लौट आई है। प्रतिदिन 18-20 लाख रुपये का चढ़ावा आ रहा है, जिसकी नियमित गिनती कर भारतीय स्टेट बैंक में जमा किया जा रहा है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अयोध्या। राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी का सनसनीखेज मामला सामने आने के बाद मंदिर प्रबंधन पर भी इसका गहरा असर पड़ा है। यहां की व्यवस्थाओं पर आशंकाओं के बादल अभी भी मंडरा रहे हैं। यहां तक कि चढ़ावे के रूप में अर्पित हो रही धनराशि की गणना के ठिठकने की भी चर्चा है। कुछ दिन पूर्व कर्मियों की कमी ने समस्या उत्पन्न की थी, लेकिन जल्द ही धनराशि की गणना पटरी पर आ गई। इस समय नित्य 18-20 लाख रुपये चढ़ावे के रूप में प्राप्त हो रहे हैं। प्रतिदिन ही मंदिर परिसर में निर्धारित स्थल पर चढ़ावे की गिनती कर इसे भारतीय स्टेट बैंक अयोध्या शाखा के निर्धारित खाते में जमा किया जाता है। बीते दस दिन में यह धनराशि लगभग दो करोड़ हैं। जबकि इन दिनों औसत रूप से एक लाख से अधिक भक्त दर्शन कर रहे हैं।यह धनराशि श्रद्धालुओं के बढ़ने घटने के सापेक्ष बढ़ती और घटती है। रामलला की प्रतिष्ठा के बाद चढ़ावे की धनराशि में खूब उछाल आया। तो गिनती के लिए कर्मचारी बढ़ाए गए। दानपात्र भी जगह-जगह लगाए गए थे। शुरू में इस धनराशि की गणना बैंक के कर्मचारी ही सप्ताह में एक दिन करते थे, लेकिन बाद में इसे नियमित कर दिया गया। इसमें बैंक के अलावा एक अन्य एजेंसी को लगाया गया, जिसे बैंक की ओर से हायर करने की बात कही जाती है। हाल में ही चढ़ावे में चोरी करने वाले लोग इसी एजेंसी के हिस्सा बताए गए। चढ़ावे की गणना के जुड़े सूत्र बताते हैं कि पहले एक-एक दिन में एक करोड़ धनराशि भी प्राप्त होती रही। इस समय भी कुछ एजेंसी के कर्मचारी गणना से जुड़े हैं। गणनाकर्ताओं में बैंक के 14 कर्मचारी तैनात हैं। महाकुंभ के समय नित्य का सर्वाधिक चढ़ावा एक करोड़ प्राप्त होता रहा। बैंक प्रबंधक व ट्रस्टियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन संपर्क न हो पाने से उनका पक्ष नहीं लिया जा सका।

विकास के दावों की पोल खोल रही हैं भामियां-जमालपुर क्षेत्र की सड़कें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- भामियां, जमालपुर और आसपास के इलाकों की सड़कों की बदहाल स्थिति ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के विकास संबंधी दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्र की कई सड़कें इतनी खराब हो चुकी हैं कि वे सड़कें कम और मिट्टी-पानी से भरी झीलें अधिक दिखाई देती हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों में पानी भर जाता है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार दोपहिया वाहन फिसल जाते हैं और दुर्घटनाएं होने का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों और स्थानीय निवासियों ने बताया कि वे लंबे समय से सड़क निर्माण और मरम्मत की मांग कर रहे हैं। इसके बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। लोगों का आरोप है कि चुनावों के समय विकास के बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन बाद में उनकी समस्याओं की ओर ध्यान नहीं दिया जाता। समाचार में उल्लेख है कि कुछ स्थानों पर सड़क की हालत इतनी खराब है कि वाहन कीचड़ और गड्ढों में फंस जाते हैं। तस्वीर में भी कुछ लोग एक वाहन को धक्का देकर निकालते हुए दिखाई दे रहे हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि स्थानीय लोगों को रोजमर्रा के आवागमन में कितनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़कों की जल्द मरम्मत कराई जाए और जल निकासी की उचित व्यवस्था की जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। उनका कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो बरसात के मौसम में हालात और खराब हो सकते हैं। लोगों का यह भी कहना है कि खराब सड़कों के कारण बच्चों को स्कूल जाने, मरीजों को अस्पताल पहुंचाने और आम नागरिकों को अपने दैनिक कार्यों के लिए आने-जाने में काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। स्थानीय निवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर हो सकते हैं।

सतीश उपाध्याय ने संभाला दिल्ली जल बोर्ड उपाध्यक्ष का पदभार, जल सेवाओं में सुधार का लक्ष्य

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड के नवनियुक्त उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने मंगलवार को अपना पदभार ग्रहण कर लिया। विधायक अजय महावर, मनोज शौकीन और दिल्ली छावनी बोर्ड के सदस्य राजेश गोयल ने जल बोर्ड के सदस्य के रूप में शपथ ली। उन्होंने कहा कि लेट पेमेंट सरचार्ज माफी योजना (एलपीएससी) का अब तक 4.6 लाख से अधिक उपभोक्ताओं ने लाभ उठाया है। इससे दिल्ली जल बोर्ड को 637.01 करोड़ का राजस्व मिला है। 15 अगस्त तक चलने वाली इस योजना के अंतर्गत उपभोक्ता बिना जुर्माना दिए अपना बकाया बिल जमा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अवैध जल कनेक्शन को वैध करने के विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत घरेलू उपभोक्ता एक हजार और अन्य श्रेणी के उपभोक्ता पांच हजार रुपये का शुल्क देकर कनेक्शन को नियमित करा सकते हैं। यह योजना 31 अगस्त तक चलेगी। अब तक 3107 कनेक्शन वैध किए गए हैं। उपाध्यक्ष और तीनों सदस्यों का कार्यकाल दो वर्षों का होगा। फरवरी, 2025 में वर्तमान विधानसभा के गठन के बाद से उपाध्यक्ष और तीनों सदस्यों के पद रिक्त थे।

आमंत्रण पर वेदांता वैली पब्लिक स्कूल पहुंचे एडुक्रीया के संस्थापक राघब चंद्र नाथ

● राघब चंद्र नाथ का हुआ भव्य स्वागत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

एडुक्रीया ग्लोबल एसोसिएशन के संस्थापक एवं निदेशक राघब चंद्र नाथ विद्यालय के विशेष आमंत्रण पर जलपाईगुड़ी स्थित वेदांता वैली पब्लिक स्कूल पहुंचे। उनके विद्यालय आगमन पर स्कूल परिसर में उनका गर्मजोशी एवं भव्य स्वागत किया गया। विद्यालय के सलाहकार अमित रॉय एवं तमालिका दत्ता ने उन्हें पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया, जबकि शिक्षकों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर उनका अभिनंदन किया। वेदांता वैली पब्लिक स्कूल का संचालन ओम प्रजापति फाउंडेशन फॉर रिसर्च एंड एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। ट्रस्ट के गवर्निंग बॉडी प्रेसिडेंट अमित रॉय तथा जनरल सेक्रेटरी तमालिका दत्ता हैं। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रबंधन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे। विद्यालय स्वयं को ओम प्रजापति फाउंडेशन फॉर रिसर्च एंड एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा संचालित संस्थान के रूप में प्रस्तुत करता है। विद्यालय भ्रमण के दौरान नाथ ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। शिक्षकों ने अपनी शिक्षण पद्धतियों एवं नवाचारों की जानकारी साझा की। विद्यार्थियों से बातचीत के बाद नाथ ने शिक्षकों की रचनात्मक, प्रभावी एवं छात्र-केंद्रित शिक्षण शैली की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षिकाओं एवं शिक्षकों–नछिमा खातून, अर्पिता घोष, तियासा साहा, शबाना परवीन, चंद्रिमा ताराफदर, सानिया महतो, प्रियंका रॉय तथा शुभ्रद्वीप कर्मकार–को व्यक्तिगत एवं वोकेशनल विकास के लिए शोध आलेख तैयार कर पुस्तकों एवं शोध-पत्रिकाओं (जर्नल्स) में प्रकाशित कराने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को नियमित रूप से लेखन एवं शोध कार्य से जुड़ना चाहिए, जिससे उनके ज्ञान, कौशल और प्रोफेशनल ग्रोथ में निरंतर वृद्धि होती है। नाथ ने विद्यालय प्रशासन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारी प्रयासों की भी सराहना की और कहा कि यह मॉडल अन्य विद्यालयों के लिए प्रेरणास्रोत बन सकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे प्रयास विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

बरेली मर्डरः युवक की हत्या के बाद सड़क पर उतरे परिजन, पांच थानों की पुलिस ने संभाला मोर्चा

बरेली। डीजे संचालक की हत्या के बाद गुस्साए स्वजन ने पोस्टमार्टम हाउस के बाहर रोड जाम कर दिया। सूचना पर पहुंची पांच थानों की पुलिस ने किसी तरह से जाम खुलवाया। स्वजन की मांग थी कि आरोपितों का एनकाउंटर किया जाए। पुलिस ने किसी तरह से लोगों को समझकर मामला शांत कराया। बारादरी के गोसाई घोटिया निवासी 21 वर्षीय अर्जुन मौर्य डेलापीर स्थित एक बारात घर में डीजे संचालित करते थे। सोमवार देर रात वह घर वापस आ रहे थे। मृतक के पिता राकेश मौर्य का आरोप है कि संजय नगर में हवाई जहाज वाली कोठी के पास अर्जुन को उनके घर के पीछे रहने वाले अर्पित ने अपने साथियों कुश कपिल लाभेडा के साथ अर्जुन को रोक लिया। आरोप है कि आरोपितों की पहले अर्जुन से किसी बात पर नोंकझोंक हुई और बाद में अर्पित ने तमंचा निकालकर अर्जुन के सिर में गोली मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल के आसपास सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिया। सीसीटीवी में घटना कैद हो गई है। उधर सुबह, पोस्टमार्टम हाउस पर स्वजन ने हंगामा काट दिया। उनकी मांग थी कि, आरोपितों का एनकाउंटर किया जाए। पुलिस ने समझाने का प्रयास किया मगर स्वजन अपनी जिद पर अड़े रहे बाद में रोड जाम कर दिया।

डिफेंस कॉलोनी थाना पुलिस ने 24 घंटे के भीतर मोबाइल स्नैचिंग का खुलासा किया, आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिण जिला पुलिस के अंतर्गत डिफेंस कॉलोनी थाना पुलिस ने मोबाइल स्नैचिंग के एक मामले का 24 घंटे के भीतर सफल खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन तथा वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार 11 जून 2026 को डिफेंस कॉलोनी थाना में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई, जिसमें एक महिला ने मोबाइल फोन छीने जाने की सूचना दी। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह अपने कार्यस्थल की ओर जा रही थीं। जब वह डिफेंस कॉलोनी के सी-ब्लॉक क्षेत्र से गुजर रही थीं, तभी मोटरसाइकिल सवार एक अज्ञात युवक पीछे से आया और उनका मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गया। घटना के दौरान वह मोटरसाइकिल का पंजीकरण नंबर नोट नहीं कर सकीं।शिकायत के आधार पर डिफेंस कॉलोनी थाना में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच उपनिरीक्षक सत्यम को सौंपी गई।मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक संजय शर्मा के नेतृत्व तथा सहायक पुलिस आयुक्त, डिफेंस कॉलोनी के पर्यवेक्षण में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम में उपनिरीक्षक सत्यम, उपनिरीक्षक सचिन, हेड कांस्टेबल अशोक और कांस्टेबल अमन शामिल थे।जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल और संभावित फरारी मार्गों पर लगे 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण किया। तकनीकी निगरानी, सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय खुफिया सूचनाओं की मदद से आरोपी की पहचान की गई। जांच में यह भी पता चला कि वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल कई लोगों के हाथों से गुजरते हुए आरोपी तक पहुंची थी। वाहन के स्वामित्व संबंधी विवरणों ने पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग प्रदान किया।पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों से प्राप्त जानकारी के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया तथा उसके कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद कर ली।गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजीश अंसारी 26 वर्ष निवासी लाजपत नगर नई दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी का कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है।दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल ने बताया कि त्वरित कार्रवाई, आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग और पुलिस टीम के समन्वित प्रयासों से मामले का शीघ्र खुलासा संभव हो सका। उन्होंने कहा कि दक्षिण जिला पुलिस अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

गोरखपुर में राप्ती नदी में डूबे चार किशोर, एक का शव मिल, तीन की तलाश जारी

गोरखपुर। तिवारीपुर के माधोपुर इलाके में मंगलवार को राप्ती नदी में चार किशोरों के डूबने की सूचना से हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी दीपक मीणा, एसएसपी डॉ. कौस्तुभ, एसपी सिटी निमिष पाटील समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच गए और राहत-बचाव अभियान की निगरानी शुरू कर दी। देर शाम तक एक किशोर का शव बरामद कर लिया गया, जबकि तीन अन्य की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, न्यू माधोपुर कॉलोनी निवासी सतीश यादव का 13 वर्षीय पुत्र सर्वेश यादव नदी में डूब गया था। उसे बाहर निकालकर तत्काल बीआरडी मेडिकल कालेज के नेहरु अस्पताल भेजा गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, न्यू माधोपुर कॉलोनी निवासी विक्की यादव की 13 वर्षीय पुत्री पीहू यादव का अब तक पता नहीं चल सका है। स्वजन के अनुसार सर्वेश और पीहू भैंस चराने के लिए नदी किनारे गए थे। दोपहर करीब दो बजे दोनों नदी में उतर गए और गहरे पानी में चले गए। इसी दौरान चार बच्चों के नदी में डूबने की सूचना फैल गई, जिससे प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों का दावा है कि नदी में चार किशोर नहा रहे थे। हालांकि, पुलिस अभी तक केवल सर्वेश और पीहू की ही पहचान कर सकी है। दो अन्य बच्चों के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। पुलिस और प्रशासन उन दोनों की पहचान तथा वास्तविक स्थिति का पता लगाने में जुटे हैं।

खान सर पर बरसे पूर्व मंत्री बोले- यूपी से बिहार ठगने आया है 'फ्रॉड शिक्षक', CM को दूंगा पूरी डिटेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बैजनाथपुर (सहरसा)। थाना क्षेत्र के सहुरिया पश्चिमी पंचायत के धमसेना गांव में ज्ञान बिंदु जीएस अकेडमी के निदेशक रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव के दाह संस्कार के बाद पीड़ित परिवार से मिलने और शोक संवेदना प्रकट करने वालों का लगातार तांता लगा हुआ है। इसी क्रम में बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं छातापुर विधायक नीरज कुमार बबलू ने मंगलवार को धमसेना पहुंचकर रौशन आनंद के परिजनों से मुलाकात की तथा उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने घटना को गंभीर बताते हुए कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं पहले भी कह चुका हूं कि यह खान फ्रॉड शिक्षक है। यह उत्तर प्रदेश से बिहार में ठगने के लिए आया है। उन्होंने आगे कहा कि रौशन आनंद शिक्षा देने का काम करता है। पटना में हुई फायरिंग मामले की भी गिरफ्तारी व अच्छे से जांच होनी चाहिए। प्रिंस की संदिग्ध मौत पर उन्होंने कहा कि यह दुखद घटना है। इसमें बड़ी साजिश की आशंका है। उन्होंने कहा कि यह हत्या है और इसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। यह कोसी क्षेत्र का मामला है। वो मुख्यमंत्री से मिलकर पूरी जानकारी देंगे। उन्होंने कहा कि फैजल खान का पाकिस्तान व नेपाल से भी कनेक्शन हो सकता है। उन्होंने कहा कि बिहार के बच्चों को ऐसे शिक्षक से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि मामले को विधानसभा में उठाया जाएगा। कानून के अनुसार दोषियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। पूर्व मंत्री ने कहा कि दुख की इस घड़ी में वे और उनकी पार्टी पूरी मजबूती के साथ पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं। वहीं, लोजपा के प्रदेश महासचिव सह पालीगंज विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सुनील यादव भी धमसेना पहुंचकर शोकाकुल परिवार से मिले और अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने भी मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच की मांग की। प्रिंस यादव की संदिग्ध मौत के बाद गांव में अब भी शोक का माहौल बना हुआ है। विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि लगातार पीड़ित परिवार से मिलकर सांत्वना दे रहे हैं तथा मामले में न्याय की मांग कर रहे हैं।

हरजोत सिंह बैंस ने अमृतसर में रात 1 बजे सफाई अभियान चलाया

● गुरु नगरी की सड़कों को साफ रखने के लिए रात 10 बजे से 2 बजे तक खास सफाई अभियान चलाया जाएगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमृतसर- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के 'मिशन क्लीन पंजाब' को ग्राउंड लेवल पर लागू करते हुए, लोकल गवर्नमेंट मिनिस्टर हरजोत सिंह बैंस ने मंगलवार सुबह 1:00 बजे अमृतसर के चारदीवारी वाले शहर की सड़कों पर घूमकर नए शुरू हुए नाइट क्लीनिंग कैंपेन का इंस्पेक्शन किया। हरजोत सिंह बैंस ने कहा, 'अमृतसर सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि आध्यात्मिकता का सेंटर है।' उन्होंने कहा कि अब पहली बार सफाई का काम सिर्फ़ दिन में ही नहीं होगा। रोज़ रात 10 बजे से सुबह 2:00 बजे तक एक स्पेशल सफाई शिफ्ट चलाई जा रही है ताकि हरमंदिर साहिब में अमृत वेला के दर्शन के लिए आने वाली संगत को साफ़ सड़कें मिल सकें। सफाई अभियान का रिव्यू करने के बाद लोकल गवर्नमेंट मिनिस्टर ने कहा कि यह एक रात का प्रोग्राम नहीं है। वह पवित्र शहर की सफ़ाई पक्का करने के लिए किसी भी रात को सरप्राइज़ इंस्पेक्शन करेंगे। लोकल गवर्नमेंट मिनिस्टर ने वॉल्ड सिटी में कई घंटे बिताए और दरबार साहिब के आस-पास के इलाकों का पैदल दौरा किया। उन्होंने सेकेंडरी वेस्ट कलेक्शन पॉइंट्स की सफ़ाई का रिव्यू किया, तंग गलियों में डोर-टू-डोर कलेक्शन प्रोसेस को मॉनिटर किया और बताया कि पहले मार्क की गई खुली डंपिंग साइट्स को खत्म कर दिया गया है। उन्होंने रात की ड्यूटी पर तैनात सफ़ाई कर्मचारियों से भी बातचीत की और उन्हें आ रही दिक्कतों के बारे में पूछा। एस. बैंस ने कहा कि हेरिटेज स्ट्रीट की चमक वापस आएगी और वॉल्ड सिटी के ज़रूरी इलाकों में रोज़ाना सफ़ाई पक्की की जाएगी। उन्होंने कहा कि जब कूड़े के ढेर हट जाएंगे, तो आवारा जानवर भी सड़कों से दूर रहेंगे। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, 'मैं इस पवित्र शहर की सड़कों पर एक भी रैपर, लिफ़ाफ़ा या प्लास्टिक की बोतल नहीं देखना चाहता।' उन्होंने कहा कि नगर निगम की टीमें रात 10:00 बजे से सुबह 2:00 बजे तक सफ़ाई करती हैं, लेकिन जब लोग अपनी बालकनी और छतों से कूड़ा फेंकते हैं, तो उनकी मेहनत बेकार चली जाती है। उन्होंने कहा, 'जब पूरा शहर सो रहा होता है, तब सफ़ाई कर्मचारी अपनी ड्यूटी कर रहे होते हैं। कम से कम यह हमारी ड्यूटी तो है कि हम अपने घरों की खिड़कियों और बालकनी से सड़कों पर कूड़ा

न फेंकें।' एस. बैंस ने कहा कि अमृतसर की सफ़ाई सिर्फ़ एक नागरिक ड्यूटी नहीं है। गुरु साहिब से जुड़े इस पवित्र शहर की सेवा करना हमारे लिए सेवा का प्रतीक है। सके साथ ही, लोकल गवर्नमेंट मिनिस्टर आज सुबह 8:00 बजे से लोकल ख़ु मेयर, कमिश्नर और सीनियर अधिकारियों के साथ फ़ील्ड में मौजूद थे। उन्होंने घर-घर जाकर इंस्पेक्शन किया, लोगों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही अधिकारियों को समस्याओं का समाधान पक्का करने के निर्देश दिए। एस. बैंस ने कहा कि 'मिशन क्लीन पंजाब' ऑफिसों में बैठकर नहीं, बल्कि सड़कों पर उतरकर चलाया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने रात के इंस्पेक्शन का वीडियो ज़्यादा से ज़्यादा शेयर करें ताकि साझा ज़िम्मेदारी की भावना मज़बूत हो सके। उन्होंने कहा, 'यह कैंपेन लोगों के सहयोग के बिना सफल नहीं हो सकता। अमृतसर जितना साफ़ होगा, उतने ही ज़्यादा श्रद्धालु और टूरिस्ट यहां आएंगे।'

एस.आई.आर. कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए बी.एल.ओज. को दी जा रही विशेष ट्रेनिंगः आशिका जैन

● जिला निर्वाचन अधिकारी ने विधान सभा चब्बेवाल के प्रशिक्षण कार्यक्रम का लिया जायजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

होशियारपुर- भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत चलाए जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एस.आई.आर.) कार्यक्रम को जिले में प्रभावी एवं सुचारु रूप से लागू करने के उद्देश्य से ई.आर.ओज की ओर से बूथ लेवल अधिकारियों (बी.एल.ओज.) को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी क्रम में विधानसभा क्षेत्र 044 चब्बेवाल के प्रशिक्षण कार्यक्रम का मंगलवार को डिप्टी कमिश्नर-कम-जिला निर्वाचन अधिकारी आशिका जैन ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी आशिका जैन ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया को पारदर्शी, सटीक बनाने में बी.एल.ओ. की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन कार्यक्रम के तहत मतदाता सूचियों को अपडेट करने का कार्य पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो सके और किसी भी प्रकार की त्रुटि की संभावना न रहे। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अधिकारियों से कहा कि वे निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें तथा मतदाता सूची संबंधी कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित बी.एल.ओज. मतदाताओं को भी जागरूक करने में अहम भूमिका निभाएंगे, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक मजबूत बनाया जा सकेगा। इस दौरान असेंबली लेवल मास्टर ट्रेनर डॉ. प्रदीप कौर, विजय कुमार, हरदीप सिंह तथा दविंदर सिंह ने बी.एल.ओ. को एस.आई.आर. कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं, प्रक्रियाओं और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों संबंधी विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस मौके पर अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (सामान्य) निधि कुमुद बंबाह, तहसीलदार चुनाव रमनदीप कौर तथा चुनाव कानूनगो लखबीर सिंह भी उपस्थित थे।

जेल में ही रहेगा हथियार तस्कर सलीम पिस्टल, दिल्ली HC ने ट्रायल कोर्ट से मिली अंतरिम जमानत पर लगाई रोक

नई दिल्ली। हथियार तस्कर सलीम अहमद उर्फ सलीम पिस्टल को ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई अंतरिम जमानत पर दिल्ली हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। जून को जमानत देने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को दिल्ली पुलिस ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक लगाते हुए न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने सलीम अहमद को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामले पर अगली सुनवाई 24 जून को होगी। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अगली सुनवाई तक छह जून का जमानत आदेश प्रभावी नहीं रहेगा। दिल्ली पुलिस की ओर से विशेष लोक अभियोजक अखंड प्रताप सिंह ने दलील दी कि सलीम पिस्टल केवल एक मामले में ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत दो मामलों में भी आरोपित है।

सीआर पार्क थाना पुलिस ने दो चोरों को दबोचा, चोरी की दो मोटरसाइकिलें और घरेलू सामान बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिण जिला पुलिस के अंतर्गत चित्तरंजन पार्क थाना पुलिस ने चोरी की वारदातों में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिलें, अपराध में प्रयुक्त एक अन्य मोटरसाइकिल तथा घरेलू उपयोग के कई चोरीशुदा सामान बरामद किए हैं। पुलिस ने यह सफलता सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण और स्थानीय खुफिया सूचनाओं के आधार पर हासिल की।दक्षिण जिला पुलिस के अनुसार क्षेत्र में वाहन चोरी और अन्य चोरी की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए थाना चित्तरंजन पार्क के प्रभारी निरीक्षक अनीश शर्मा के नेतृत्व तथा सहायक पुलिस आयुक्त (चित्तरंजन पार्क) के पर्यवेक्षण में विशेष टीमों का गठन किया गया था। टीम में एएसआई दलवीर सिंह, हेड कांस्टेबल रोशन और हेड कांस्टेबल गिर्राज शामिल थे।जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज एकत्र कर उनका गहन विश्लेषण किया। फुटेज में दोनों आरोपी चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से भागते हुए दिखाई दिए। इसके बाद फुटेज का मिलान अपराधियों के रिकॉर्ड से किया गया तथा मुखबिरों की सहायता ली गई। तकनीकी विश्लेषण और गुप्त सूचना के आधार पर दोनों आरोपियों की पहचान कर उन्हें अंबेडकर नगर-दक्षिण पुरी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी लावारिस अथवा असुरक्षित खड़े वाहनों और घरेलू सामान को निशाना बनाते थे। चोरी के बाद वे सामान को छिपाने या ठिकाने लगाने का प्रयास करते थे ताकि पुलिस की पकड़ से बच सकें। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उदय कुमार उर्फ एलियन 24 वर्ष निवासी दक्षिण पुरी, अंबेडकर नगर, नई दिल्ली तथा सौरव कुमार 24 वर्ष निवासी दक्षिण पुरी, नई दिल्ली के रूप में हुई है। सौरव कुमार के खिलाफ पूर्व में थाना साकेत में चोरी से संबंधित एक मामला दर्ज है, जबकि उदय कुमार के खिलाफ किसी पूर्व आपराधिक मामले का

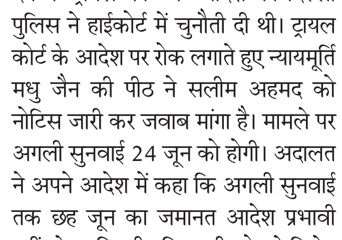

रिकॉर्ड नहीं मिला है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की दो मोटरसाइकिलें, अपराध में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल, एक रक्तचाप मापने की मशीन तथा चांदी की परत चढ़े दो वॉशरूम नल बरामद किए हैं। इस कार्रवाई के जरिए थाना चित्तरंजन पार्क में दर्ज दो चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि दोनों आरोपी अन्य चोरी की घटनाओं में भी शामिल रहे हैं या नहीं। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अनन्त मित्तल ने पुलिस टीम की सराहना करते हुए कहा कि समय पर की गई कार्रवाई, तकनीकी जांच और टीम के समन्वित प्रयासों से आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरीशुदा सामान की बरामदगी संभव हो सकी।